MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-27 ❖ मुंबई ❖ रविवार 26 जून से 02 जुलाई 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

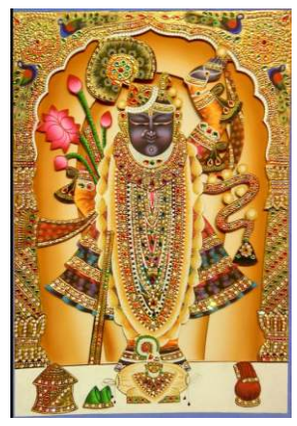

पेज 3
मातोश्री पर उद्धव- पवार की अहम बैठक, एमवीए के पास बहुमत, निकलेगा सरकार बचाने का रास्ता?

पेज 5
राजस्थान में मिशन 2023 के पहले लोगों को मिलेगी चुनावी सौगात, ट्रैक पर दौड़ेंगी 10 वंदे भारत ट्रेनें

पेज 7
स्त्री 2 के लिए श्रद्धा कपूर फाइनल ?

पेज 8
अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाएगी केंद्र सरकार, विदेश मंत्री बोले- जल्द शुरू करेंगे ई-पासपोर्ट

एक नजर

एम्स : डॉ. गुलेरिया का कार्यकाल तीन माह बढ़ा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया का कार्यकाल तीन महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। बृहस्पतिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि एम्स के अध्यक्ष ने डॉ. गुलेरिया का कार्यकाल 25 जून से तीन महीने या नये निदेशक की नियुक्ति इनमें से जो भी पहले हो तक के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि डा गुलेरिया का कार्यकाल इससे पहले भी गत 22 मार्च को तीन महीने यानी 25 जून तक के लिए बढ़ाया गया था। डॉ. गुलेरिया को 28 मार्च 2017 को पांच वर्ष के लिए एम्स का निदेशक नियुक्त किया गया था।

ईडी ने अभिषेक बनर्जी की पत्नी से पूछताछ की

कोलकाता। ईडी ने बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा नरुला बनर्जी से कोलकाता स्थित अपने कार्यालय में करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले की जांच के सिलसिले में पूछताछ की। रुजिरा यहां सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित ईडी के कार्यालय में पूर्वाह्न 11 बजे पहुंचीं। उस समय उनकी गोद में उनका बेटा था। अधिकारी ने बताया कि दो महिला सहित चार अधिकारी रुजिरा से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने बताया, 'हम उनसे बैंकॉक में खाते से किए गए कुछ लेनदेन के बारे में पूछताछ कर रहे हैं।

पंजाब के पूर्व डीजीपी दिनकर एनआईए के डीजी नियुक्त

चंडीगढ़। पंजाब कैडर के 1987 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दिनकर गुप्ता को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का डीजी नियुक्त किया है। पंजाब के डीजीपी रहे दिनकर गुप्ता को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से सीएम की कुर्सी संभालने वाले चरणजीत सिंह चन्नी सरकार ने मुख्यमंत्री बनते ही हटा दिया था। वीरवार को केंद्र सरकार की कैबिनेट कमेटी ने गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए प्रस्ताव को क्लियर करते हुए गुप्ता की नियुक्ति पर मुहर लगा दी।

महाराष्ट्र में शिवसैनिकों का एकनाथ शिंदे के खिलाफ प्रदर्शन

मुंबई में धारा 144 हुई लागू

शिवसेना (Shivsena) में बगावत के बाद राज्य में राजनीतिक संकट के बीच, मुंबई पुलिस ने शनिवार को शहर में गैरकानूनी रूप से जमा होने पर प्रतिबंध लगाने के लिए सीआरपीसी (CrPC) की धारा 144 लागू कर दी और सभी मंत्रियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों के आवासों और कार्यालयों पर सुरक्षा बढ़ा दी है. इस बीच बागी विधायकों को लेकर अलग हुए एकनाथ शिंदे के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हो रहा है. लोगों के इकठ्ठा होने पर मनाही बता दें कि हिंसा की कुछ घटनाओं के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है. शिवसेना कार्यकर्ताओं ने पार्टी के कुछ बागी विधायकों के कार्यालयों पर हमला किया. इस बीच मुंबई पुलिस ने शनिवार को कहा कि शादियों, अंतिम संस्कार, सिनेमा हॉल और अदालतों, कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों, अन्य सामाजिक समारोह जैसे अपवादों को छोड़कर सड़कों पर कहीं भी पांच से अधिक लोगों की सभा की अनुमति नहीं होगी. इसके अलावा, किसी भी विवादास्पद बैनर या पोस्टर को लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि यह भावनाओं को भड़का सकता है, जिससे मुंबई में कानून और व्यवस्था की समस्या खड़ी हो सकती है.

विधायक तोड़ सकते हो लेकिन उन्हें चुननेवाले शिवसैनिकों को नहीं ! उद्धव ठाकरे ने भाजपा को चेताया

मुंबई, दिखाया ऐसा जा रहा है कि शिवसेना बची ही नहीं, लेकिन शिवसेना समाप्त होनेवाली नहीं है, यह मर्दों की सेना है। योग्यता न होते हुए भी जिन्हें हमने जगह दी, चुनकर लाया, वो छोड़कर चले गए और आप स्थायी रूप से साथ में हैं, ऐसे शब्दों में उद्धव ठाकरे ने सभी पूर्व नगरसेवक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मुझे अकेले करने की भाजपा की चाल है लेकिन आप चुनकर आए हुए लोगों को लेकर जा सकते हो, फोड़ सकते हो लेकिन जिन्होंने चुना है, ऐसे शिवसैनिकों को फोड़ नहीं सकते। इन शब्दों में उन्होंने भाजपा को चेताया। महाविकास आघाड़ी बनाते समय शिवसेना जहर पी रही है, ऐसा कहा जा रहा था। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पीठ में खंजर घोपेंगे, यह भी कहा जा रहा था लेकिन आज शरद पवार और सोनिया जी हमारे पीछे मजबूती से खड़े हैं।

करीबी लोग साथ छोड़कर चले गए। ऐसा खेद भी इस दौरान प्रकट किया।

हमने हिंदुत्व नहीं छोड़ा है।

शिवसेना हिंदुत्व से दूर हो गई, ऐसा कहनेवाली भाजपा ने कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ सरकार बनाया। नीतीश कुमार के साथ गठबंधन किया। उस नीतीश कुमार से पूछो, वे हिंदुत्ववादी हैं क्या? ऐसा सवाल उद्धव ठाकरे ने किया। देश की राजनीति में भाजपा का हिंदुत्व अस्पृश्य होते समय शिवसेना ने साथ दिया। हमारा हाथ पकड़कर आगे आए, उस समय हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा का साथ दिया। उसी का फल आज हम भोग रहे हैं, ऐसे शब्दों में उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर टिप्पणी की।

'वर्षा' छोड़ा, जिद नहीं !

मुंबई, मुख्यमंत्री पद मेरे लिए गौण है, वर्षा निवासस्थान छोड़ दिया फिर भी जिद नहीं छोड़ी, ऐसा स्पष्ट रूप से कहने के साथ ही शिवसेनापक्षप्रमुख व राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 'तैयार हो जाओ! हमारे साथ कोई नहीं है, ऐसा मानकर शिवसेना खड़ी करेंगे!' ऐसा आह्वान कल तमाम शिवसैनिकों से किया। शिवसेना जिलाप्रमुखों की बैठक कल दादर स्थित शिवसेना भवन में हुई। उस बैठक को उद्धव ठाकरे ने ऑनलाइन संबोधित किया। किस व्यक्ति ने किस वक्त हमारे साथ वैâसा बर्ताव किया? ये याद रखो। ठाकरे और शिवसेना इन नामों का इस्तेमाल किए बगैर जीकर दिखाओ, ऐसा आह्वान उद्धव ठाकरे ने इस दौरान बागियों को किया। उस दिन हमने मन की सारी बातें कह दी थीं। आज मन से सब निकाल देना है, ऐसा कहते हुए उद्धव ठाकरे ने शिवसैनिकों से संवाद शुरू किया। कुछ भी हुआ, फिर भी शिवसेना नहीं छोड़ेंगे, ऐसा कहनेवाले छोड़कर चले गए। ऐसे लोगों का क्या किया जाए? ऐसा सवाल उन्होंने पूछा। सिर्फ विधायक, मंत्री ही नहीं, बल्कि पार्टी का काम करने के लिए जिलाप्रमुखों को भरपूर पैसा दो, ऐसा निर्देश हमने संबंधितों को दिया था, ऐसा उन्होंने इस दौरान स्पष्ट किया। बागियों को चेतावनी देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि 'विधायक ले जाने हैं, तुम्हें जितने चाहिए, उतने विधायक ले जाओ। तुम पेड़ के फल-फूल तोड़ सकते हो, परंतु पेड़ की जड़ें नहीं ले जा सकते क्योंकि ये जड़ें शिवसेनाप्रमुख द्वारा मजबूती से लगाई गई हैं और मेरे साथ हैं।

बारिश ने दिया धोखा, मुंबई की झीलों में सिर्फ 20 दिनों का पानी !

BMC 27 से वॉटर सप्लाई में करेगी 10 फीसदी कटौती

मुंबई : झील क्षेत्रों में कम बारिश का खामियाजा मुंबईकरों को पानी कटौती के रूप में भुगतना पड़ेगा। बीएमसी ने 27 जून से मुंबई में 10 प्रतिशत पानी की कटौती की जाएगी।

बीएमसी का कहना है कि बीएमसी द्वारा ठाणे, भिवंडी महानगर पालिका और अन्य गावों को भी पानी आपूर्ति की जाती है, वहां भी 10 प्रतिशत पानी कटौती जारी रहेगी। बीएमस जलापूर्ति विभाग के अनुसार मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली सातों झीलों में उनकी कुल क्षमता का 9.77 स्टॉक बचा है। बीएमसी का कहना है कि झीलों में उपलब्ध पानी का स्टॉक पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है। बता दें कि मुंबई को सामान्य दिनों में प्रतिदिन 3850 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाती है।

10 प्रतिशत कटौती की घोषणा के बाद मुंबईकरों को सिर्फ 3465 एमएलडी पानी मिलेगा।

इसीलिए जब तक पानी कटौती रद्द नहीं होती, तब तक लोगों को संभाल कर पानी इस्तेमाल करना होगा।

जून में 70 पर्सेंट कम बारिश

जून महीने में पिछले साल की तुलना में 70% कम बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले वर्ष 2020 में मुंबईकरों को कुछ दिनों तक पानी कटौती का सामना करना पड़ा था। तब बीएमसी ने 5 अगस्त, 2020 से 28 अगस्त तक मुंबई में 20 प्रतिशत पानी कटौती की थी। 29 अगस्त से मुंबई में नियमित पानी सप्लाई शुरू हो गई थी। वर्ष 2021 में समय से तालाब क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की वजह से पानी कटौती की नौबत नहीं आई थी।

कटौती से जल्द मुक्ति की उम्मीद कम

मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली झीलों में 24 जून सुबह 6 बजे तक सिर्फ 141387 एमएलडी पानी का स्टॉक था। जो सातों झीलों मोडक सागर, तानसा, मध्य वैतरणा, अपर वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी की कुल क्षमता 1447363 एमएलडी स्टॉक का सिर्फ 9.77 प्रतिशत है। मौसम विभाग के अनुसार जल्द अच्छी बारिश की संभावना कम है, इसलिए मुंबईकरों को कटौती से मुक्ति के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

कुल क्षमता का 36.52 प्रतिशत पानी

बता दें कि मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली मोडक सागर झील में 47078 एमएलडी पानी का स्टॉक है, जो इसकी कुल क्षमता का 36.52 प्रतिशत है। तानसा झील में 7927 एमएलडी पानी का स्टॉक बचा है, जो उसकी कुल क्षमता का 5. 46 प्रतिशत है। मध्य वैतरणा में 18013 एमएलडी पानी का स्टॉक है, जो इसकी कुल क्षमता का 9.31 प्रतिशत है। भातसा झील में 717037 एमएलडी पानी था जो झील की कुल क्षमता का 8.71 प्रतिशत है। अपर वैतरणा, वैतरणा में 73018 एमएलडी यानी 10.51 प्रतिशत पानी का स्टॉक है।

गुजरात एटीएस ने तीस्ता सीतलवाड़ को मुंबई से हिरासत में लिया, अहमदाबाद के लिए रवाना

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह कहते हुए जाकिया जाफरी की याचिका खारिज कर दी थी कि कानून का दुरुपयोग करना ठीक नहीं। इस दौरान कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ का भी जिक्र किया था। इसके अगले दिन शनिवार को गुजरात एटीएस सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के मुंबई स्थित घर पहुंची। उन्हें हिरासत में लिया गया है। सीतलवाड़ को सांताक्रूज पुलिस स्टेशन ले जाया गया। एटीएस की टीम उन्हें लेकर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई है।

बता दें कि गुजरात दंगों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी में पीएम नरेंद्र मोदी समेत 55 राजनेताओं व अधिकारियों को मिली क्लीन चिट के खिलाफ जाकिया जाफरी ने याचिका

की थी। कोर्ट ने शुक्रवार को यह कहते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया कि कानून का दुरुपयोग करना ठीक नहीं।

कोर्ट ने एसआईटी की तारीफ की और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जितने लोग कानून से खिलवाड़ करते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ का भी नाम लिया और कहा कि सीतलवाड़ के खिलाफ और जांच की जरूरत है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था, "भाजपा की विरोधी राजनीतिक पार्टियां, कुछ वैचारिक राजनीति में आए हुए पत्रकार और कुछ एनजीओ ने मिलकर..इस त्रिकूट ने मिलकर इन आरोपों को इतना प्रचारित किया.. और इनका इकोसिस्टम भी इतना मजबूत था कि धीरे-धीरे लोग झूठ को ही सत्य मानने लगे।

शाह ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि अदालत ने भी कहा कि जाकिया जाफरी किसी ओर के इशारे पर काम कर रही थीं। शाह ने तीस्ता सीतलवाड़ का भी नाम लिया जिनका एनजीओ पूरे केस में खासा सक्रिय था।

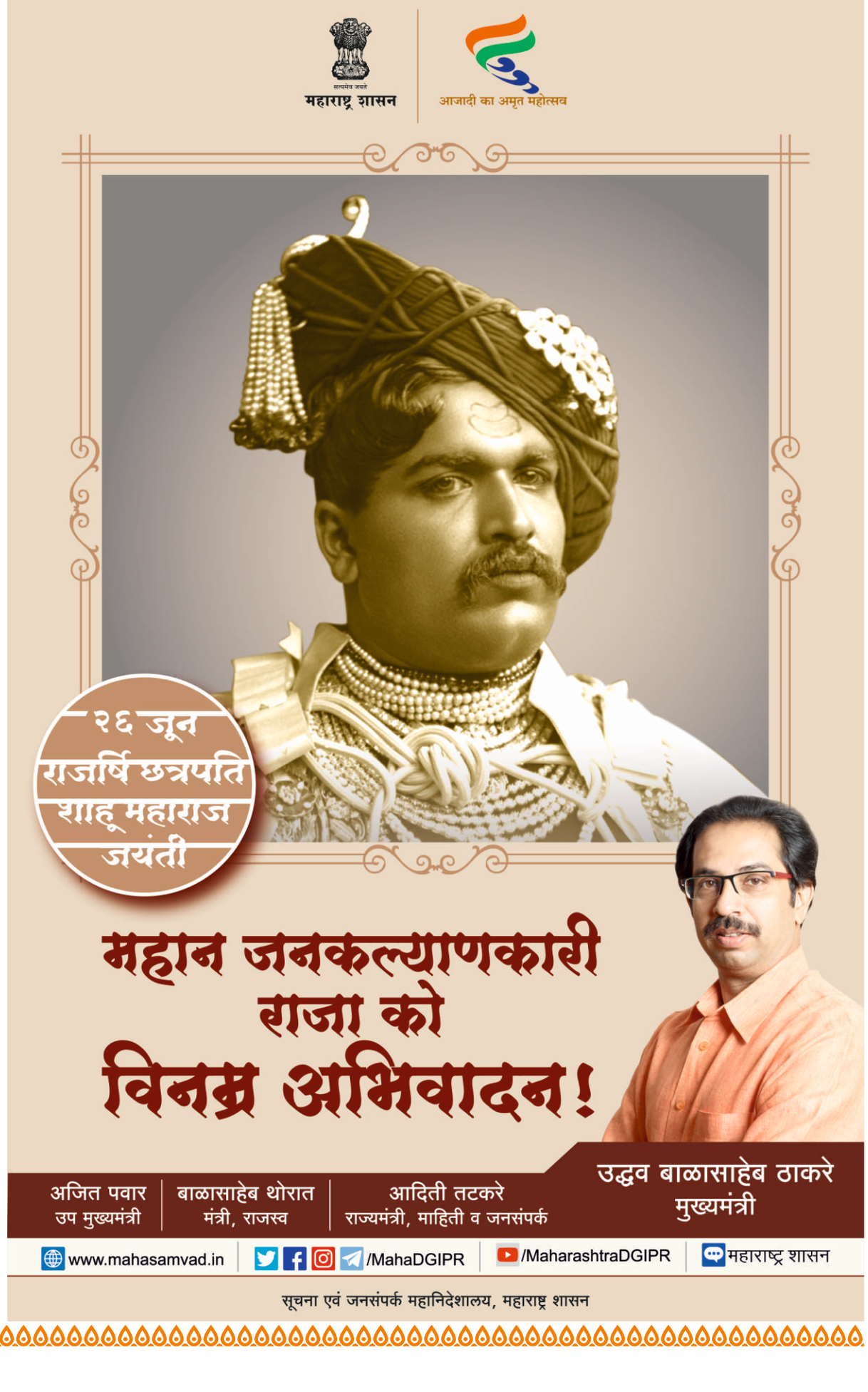

द्रौपदी मुर्मू: सधी हुई चाल

एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू आज नॉमिनेशन फाइल करने वाली हैं। विपक्षी दलों ने इस पद के लिए पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है। वैसे तो दोनों पक्षों की विभिन्न दलों से जुड़े वोटरों को मनाने की प्रक्रिया अभी शुरू ही होने वाली है, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि प्रत्याशी चयन के चरण में ही एनडीए ने विपक्ष को सकते में डाल लगभग निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। जीत-हार से परे इन चुनावों में दोनों पक्षों को सुचिंतित रणनीति और बेहतर तालमेल का परिचय देते हुए 2024 के लोकसभा चुनावों के लिहाज से खुद को मजबूत स्थिति में पेश करना था। इस दृष्टि से विपक्ष के प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया पर नजर डालें तो तालमेल की कमी शुरू से ही झलकने लगी। अन्य दलों से सलाह-मशविरा किए बगैर टीएमसी की ममता बनर्जी ने जिस हड़बड़ी में विभिन्न दलों की बैठक रख ली, उसे लेकर नाराजगी उस बैठक में ही दिख गई। जैसे-तैसे मामला आगे बढ़ा और नामों पर विचार होने लगा तो एक-एक कर तीन संभावित प्रत्याशियों ने सार्वजनिक तौर पर विपक्षी प्रत्याशी बनने का प्रस्ताव अस्वीकार कर

दिया। नाम मीडिया में देने से पहले संबंधित व्यक्तियों से सहमति लेने की जरा सी सावधानी इस सार्वजनिक फजीहत से बचा सकती थी। इस सबके बाद जब विपक्ष ने यशवंत सिन्हा का नाम एकमत से घोषित किया तो कुछ घंटों के अंदर ही एनडीए ने एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति भवन भेजने का प्रस्ताव देकर सबको चौंका दिया। बेशक आज के माहौल में यशवंत सिन्हा को उम्मीदवार बनाने के पीछे विपक्ष के अपने तर्क हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रपति चुनाव के मौजूदा समीकरणों के लिहाज से देखा जाए तो द्रौपदी मर्मू को प्रत्याशी बनाकर एनडीए ने न केवल अपने कुछ दुविधाग्रस्त समर्थक दलों का मजबूत समर्थन हासिल कर लिया बल्कि विपक्षी खेमे में दुविधा और संदेह की स्थिति पैदा कर दी। इन चुनावों में एनडीए के लिए बीजेडी के समर्थन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था, लेकिन नवीन पटनायक अपने पत्ते नहीं खोल रहे थे। ओडिशा की आदिवासी नेता मुर्मू का नाम सामने आते ही नवीन पटनायक ने इसका स्वागत करते हुए अपने समर्थन की घोषणा कर दी। इसके बाद जेडीयू के नीतीश कुमार ने भी समर्थन का एलान करने में देर नहीं की। मगर सबसे दिलचस्प स्थिति झारखंड मुक्ति मोर्चे की है। वह विपक्षी दलों की उस बैठक में शामिल था, जहां यशवंत सिन्हा का नाम फाइनल किया गया। लेकिन द्रौपदी मुर्मू का समर्थन न करना उसके लिए राजनीतिक तौर पर खासा नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसलिए यशवंत सिन्हा के नाम का समर्थन करने के बजाय पार्टी कह रही है कि अगले सप्ताह बैठक करके उसमें राष्ट्रपति चुनाव पर पार्टी का रुख तय किया जाएगा। नतीजे जब आएंगे तब आएंगे, फिलहाल तो विपक्ष का यह असमंजस ही एनडीए की जीत है।

संकट में उद्धव सरकार

किरीट ए. चावड़ा

उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार का संकट टलने के कोई आसार नहीं दिख रहे। विधानपरिषद चुनाव के लिए वोटिंग होने के बाद अपने समर्थक विधायकों के साथ सूरत में अड्डा जमाए बागी शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे गुवाहाटी पहुंच चुके हैं। वह न केवल शिवसेना की पहुंच से और दूर हो गए हैं बल्कि उन्होंने अपना रुख भी कड़ा कर लिया है। शिवसेना विधायक दल के नेता पद पर अपना दावा जताते हुए जो पत्र उन्होंने राज्यपाल को भेजा है, उस पर 34 विधायकों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें 30 शिवसेना के और चार निर्दलीय हैं। भले यह दलबदल कानून के तहत कार्रवाई से बचने के लिए आवश्यक संख्या (37) से कम हो, इतनी तो है ही कि मौजूदा आघाड़ी सरकार को अल्पमत में ला दे और शिवसेना में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर सवालिया निशान लग जाए। शायद इसीलिए शाम पांच बजे शिवसेना विधायकों की बैठक बुलाने और उसमें शामिल न होने वालों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल मानने का एलान करने वाले नेतृत्व ने शाम होते-होते तक वह बैठक ही रद्द कर दी। उसकी जगह उद्धव ठाकरे ने फेसबुक लाइव पर शिवसैनिकों को संबोधित करने का फैसला किया। इस संबोधन में भी उन्होंने अपने तेवर

बिल्कुल नरम रखे और कहा कि अगर विधायक चाहते हैं कि वह मुख्यमंत्री पद छोड़ दें तो वह इस्तीफा देने को तैयार हैं बशर्ते ये विधायक खुद उनसे ऐसा कहें। बहरहाल, सरकार पर जो संकट है, वह इस तरह के भावुकतापूर्ण बयानों से टलने वाला नहीं है। इसमें दो राय नहीं कि बतौर मुख्यमंत्री अपने ढाई साल के कार्यकाल में उद्धव ठाकरे ने अपनी बेहतर प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया है। लेकिन राजनीतिक कौशल दिखाने में वह नाकाम रहे। राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग के ठीक बाद विधानपरिषद चुनावों में भी क्रॉस वोटिंग हो जाना बताता है कि पार्टी प्रबंधन का काम ठीक नहीं था। यह भी अचरज की बात है कि मुख्यमंत्री की नाक के नीचे उनके मंत्रिमंडल के सदस्य इतनी बड़ी संख्या में विधायकों को साथ लेकर सूरत चले जाने की साजिश रचते रहे और उन्हें भनक तक नहीं लगी। ध्यान रहे, गृह मंत्रालय एनसीपी के पास है। एनसीपी चीफ शरद पवार ने बड़ी सफाई से इस पूरे घटनाक्रम का ठीकरा शिवसेना नेतृत्व पर फोड़ते हुए खुद को इससे अलग कर लिया। अब यह सवाल तो है ही कि आघाड़ी सरकार का क्या होगा, यह भी है कि सरकार गिरने के बाद इस गठबंधन का क्या होगा। बदले समीकरणों में एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना के रिश्ते कैसे होंगे। क्या शिवसेना और बीजेपी एक बार फिर एक-दूसरे का हाथ थाम लेगी? अगर शिवसेना नेतृत्व ऐसा फैसला करता है तो उसे प्रदेश राजनीति में बीजेपी के छोटे भाई की भूमिका हमेशा के लिए मंजूर करनी होगी। लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस संकट से गुजर कर निकलने वाली शिवसेना भी आज जैसी शिवसेना होगी?

विपक्ष के लिए क्यों मुश्किल है द्रौपदी मुर्मू का विरोध

गणेश पाण्डेय

बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में द्रौपदी मुर्मू का नाम घोषित कर एक तीर से कई निशाने साधे हैं। यूपीए के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में मंगलवार को जब यशवंत सिन्हा के नाम की घोषणा हुई, तो उसके कुछ घंटे बाद ही एनडीए की ओर से भी नाम का एलान हो गया। अब अगर कोई बड़ा सियासी फेरबदल न हुआ तो द्रौपदी मुर्मू का देश का नया राष्ट्रपति बनना लगभग तय है। एनडीए के पास लगभग 48 फीसदी वोट हैं। महज एक या दो क्षेत्रीय दलों के अतिरिक्त सपोर्ट से वह बहुमत का आंकड़ा पार कर लेगा। राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 18 जुलाई को होना है। द्रौपदी मुर्मू के नाम के एलान के तुरंत बाद जिस तरह की प्रतिक्रिया आई, उससे फौरी तौर पर यही संकेत मिल रहे हैं कि बीजेपी ने जो तीर चलाया, वह निशाने पर भी लगा। विपक्ष अभी से पशोपेश में दिखने लगा है। उसके लिए द्रौपदी मुर्मू का विरोध करना आसान नहीं होगा। सियासत में प्रतीकों की जो लड़ाई होती है, उसमें एनडीए ने बढ़त ले ली है। इस बार हालांकि संख्या बल के लिहाज से एनडीए मजबूत स्थिति में है, फिर भी उसे अपने वोटों के अलावा दूसरे क्षेत्रीय दलों के सपोर्ट की जरूरत है। राष्ट्रपति चुनाव में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और तेलंगाना के सीएम केसीआर तमाम विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने की मुहिम में लगे थे। वे ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक को भी अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे थे। उधर, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू के रुख को भी लेकर भी बीजेपी निश्चिंत नहीं थी। ऐसे में बीजेपी के सामने पहली चुनौती थी कि वह ऐसा समीकरण तैयार करे, जिसे विपक्ष तोड़ न पाए।

पार की पहली बाधा

द्रौपदी मुर्मू का नाम सामने लाकर एनडीए ने पहली सियासी बाधा पार कर ली है और अपनी जरूरतों के अनुरूप समीकरण भी तैयार कर लिया है। मंगलवार को जैसे ही मुर्मू के नाम का एलान हुआ, बधाई का पहला संदेश ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक का ही आया। उन्होंने ट्वीट कर उनकी दावेदारी पर खुशी जाहिर की और कहा कि पीएम मोदी ने उनसे इस बारे में बात भी की थी। चूंकि वह खुद ओडिशा की हैं, ऐसे में अब नवीन पटनायक के समर्थन के बारे में कोई संदेह नहीं रहा। लेकिन बात सिर्फ नवीन पटनायक की नहीं है। दुविधा तो झारखंड के सीएम और जेएमएम पार्टी के प्रमुख हेमंत सोरेन के सामने भी होगी। जब उनके सामने देश की पहली ट्राइबल महिला राष्ट्रपति बतौर उम्मीदवार खड़ी हैं, तब उन्हें छोड़कर किसी और उम्मीदवार को वोट देना सोरेन के लिए आसान नहीं होगा। वह भी तब, जब सोरेन ट्राइबल राजनीति में बढ़त लेना चाहते हैं। हेमंत सोरेन सरना धर्म कोड के नाम पर राज्य में लगातार ट्राइबल दांव खेल रहे हैं। झारखंड में लगभग 28 फीसदी ट्राइबल हैं, जिसके बड़े हिस्से का समर्थन हेमंत सोरेन को मिला था। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा भी झारखंड से ही हैं, लेकिन जेएमएम की दुविधा अब और बड़ी होगी। गौर करने की बात है कि जब मुर्मू झारखंड की गर्वनर थीं, तब उनके हेमंत सोरेन से काफी अच्छे संबंध थे। इसके अलावा उनके महिला ट्राइबल नेता होने के कारण ममता बनर्जी या सोनिया गांधी जैसी नेताओं के लिए भी उनका विरोध करना सहज नहीं होगा। कांग्रेस शासित राज्य छत्तीसगढ़ में भी ऐसी ही दुविधा होगी, जहां बड़ी आबादी आदिवासियों की है। यहां से कई कांग्रेस विधायक चुने गए हैं, जिन्हें ट्राइबल समर्थन से जीत मिली। ऐसे में अब इनके सामने भी इसी तरह की असमंजस की स्थिति होगी। उधर, बीजेपी के सहयोगी दल जेडीयू के सामने भी बहुत विकल्प नहीं हैं। इनके नाम की घोषणा के तुरंत बाद पार्टी नेता और केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने उन्हें बधाई तक दे दी। हालांकि, आरसीपी सिंह अभी नीतीश कुमार से नाराज चल रहे हैं। फिर भी, इसमें दो राय नहीं कि द्रौपदी मुर्मू का नाम सामने लाकर बीजेपी ने सियासी गणित साध लिया है।

सेट हुए सोशल समीकरण

एनडीए ने द्रौपदी मुर्मु का नाम सामने कर सामाजिक समीकरण भी बेहतर और मजबूत करने की कोशिश की है। साल के अंत में गुजरात में विधानसभा चुनाव हैं, और वहां भी ट्राइबल आबादी लगभग डेढ़ दर्जन सीटों पर निर्णायक संख्या में है। बीजेपी का इन सीटों पर प्रदर्शन उतना प्रभावी नहीं रहा, लेकिन 2019 में ट्राइबल बहुल लगभग 50 सीटों में उसने आधे से अधिक पर जीत हासिल की। तब से पार्टी ने ट्राइबल के बीच नरेंद्र मोदी की अगुआई में पैठ बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। केंद्र सरकार ने इसी मंशा के तहत बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। इसके तहत सरकार 15 से 22 नवंबर तक जनजातीय समुदायों के गौरवशाली इतिहास, उपलब्धियों और संस्कृति पर कार्यक्रम भी आयोजित करने जा रही है। वैसे गुजरात से बाहर पूरे देश के संदर्भ में देखें तो नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी ने दलितों, वंचितों, पिछड़ों के बीच जनाधार बढ़ाने काफी ध्यान दिया है। इसका पहला बड़ा असर 2014 आम चुनाव में दिखा, जब बीजेपी ने 131 सुरक्षित सीटों में 67 सीटों पर जीत हासिल कर ली। 2019 आम चुनाव में पार्टी ने प्रदर्शन को और सुधारते हुए 77 सुरक्षित सीटों पर कब्जा कर लिया। पांच साल पहले रामनाथ कोविंद के रूप में दलित को, और अब आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाने का फैसला कर बीजेपी ने इस धारणा को मजबूती दी है कि समाज के हर तबके को सरकार में सम्मान मिलता है। यह धारणा आगे तमाम चुनावों में उसके काम आने वाली है।

सरकार का विरोध सही, लेकिन हिंसा क्यों

अग्निपथ योजना को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों में दिखी हिंसा चिंता अवश्य पैदा करती है, लेकिन यह हमारे देश में एक प्रवृत्ति के रूप में स्थापित हो रही है। हाल के वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार या प्रदेश की बीजेपी सरकारों के विरुद्ध कोई भी बड़ा प्रदर्शन हिंसा से अछूता नहीं रहा। यूं तो विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र की सुंदरता है। असहमति व्यक्त करने का माध्यम है। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अगर इरादा किसी नीति, मुद्दा, आदेश आदि में संशोधन, परिवर्तन कराने का हो तो आंदोलन का चरित्र सामान्यतः हिंसक नहीं होता। यहां तक कि आंदोलन लंबा खिंचने पर धैर्य खोकर कुछ लोगों के द्वारा छिटपुट हिंसा भी असामान्य घटना मानी जाती रही है। लेकिन अब तो विरोध की शुरुआत ही हिंसक घटनाओं और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने से हो रही है।

समझे बगैर विरोध आपने देखा होगा, 14 जून को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ योजना और अग्निवीरों की नियुक्ति और सेवा शर्तों का विवरण दिया नहीं कि घंटे भर के अंदर प्रदर्शन आरंभ हो गए। जगह-जगह हिंसा भी होने लगी। अगर योजना में कुछ कमियां हैं तो बातचीत की जा सकती है। इसमें किसी समाधान तक पहुंचा जा सकता है और खामियों को इस तरह से दूर करने का रास्ता निकाला जा सकता है। लेकिन यहां तो सीधे कहा जा रहा है कि पूरी योजना ही गलत है। सरकार इसे वापस ले, नहीं तो हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। यह विरोध भी कानूनी दायरे में अहिंसक तरीके से धरना तक सीमित नहीं है। यहां तो आगजनी, तोड़फोड़

और पत्थरबाजी तक का इस्तेमाल इसके लिए किया जा रहा है। कई सेवानिवृत्त सैनिक और रक्षा विशेषज्ञ अग्निपथ योजना का समर्थन कर बता रहे हैं कि यह नौजवानों के और देशहित में है। लेकिन जिन्हें सुनना ही नहीं है, उनके लिए इसके कोई मायने नहीं। इससे पहले तीन कृषि कानूनों के संदर्भ में भी हमने यही स्थिति देखी थी। सरकार ने दिसंबर, 2020 से ही आंदोलनरत संगठनों के साथ बातचीत शुरू की। 12 दौर की बातचीत हुई। सरकार ने अपनी ओर से कई संशोधनों की घोषणा कर दी। बावजूद इसके 26 जनवरी को दिल्ली में हिंसा हुई। यही स्थिति नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के संदर्भ में भी थी। इस कानून का भारत के मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन कहा गया कि यह उनके विरुद्ध है। आरंभ में छोटा विरोध हुआ, लेकिन धीरे-धीरे शाहीनबाग धरना ने व्यापक रूप ले लिया। नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध आंदोलन देश के कई हिस्सों में हिंसक हुआ। मोदी सरकार से वैचारिक मतभेदों में कुछ भी अस्वाभाविक नहीं। उसे प्रकट करना, नीतियों की खामियों को सामने लाकर सरकार पर दबाव बढ़ाना, यह सब किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मान्य है। किंतु मोदी सरकार और बीजेपी की ज्यादातर राज्य सरकारों के संदर्भ में लोकतंत्र का यह मान्य आचरण पीछे छूट चुका है। एक बड़े समूह का मोदी सरकार के प्रति व्यवहार ऐसा है, मानो यह किसी दुश्मन की सरकार हो। जाहिर है, इसके निश्चित कारण हैं। बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से इस देश में एक बड़े वर्ग का वैचारिक विरोध रहा है। दुर्भाग्य से यही विरोध भारत में लिबरल, सेकुलर और प्रोग्रेसिव होने का पर्याय बना दिया गया। यह बढ़ते-बढ़ते इस अवस्था में आ गया कि राजनीतिक, बौद्धिक एक्टिविज्म के क्षेत्र में किसी के भी स्वीकार्य होने की एकमात्र कसौटी यह हो गई कि वह संघ-बीजेपी का विरोधी है या नहीं। नरेंद्र मोदी के प्रति यह विरोध दुश्मनी और धारणा से भी आगे निकल गई। मान्य राजनीतिक तरीकों से मोदी को पराजित करना संभव नहीं रहा। इसलिए हर संभव कोशिश की जा रही है कि देश में अशांति, अस्थिरता कायम हो, मोदी सरकार के लिए चुनौतियां बढ़ें। वह बदनाम हो और देश से विदेश तक नकारात्मक संदेश जाए। अग्निपथ के मामले में भी यही हो रहा है। इस आंदोलन में कई ऐसे तत्व सक्रिय हैं, जिनका सेना में भर्ती से कोई लेना-देना नहीं। इसका लाभ देश विरोधी तत्व भी उठाते हैं। चाहे 10 जून को जुम्मे की नमाज के बाद का प्रदर्शन हो या फिर अग्निपथ के विरुद्ध हुए प्रदर्शन- सबके पीछे ऐसे तत्व नजर आते हैं, जो अशांति, तनाव और अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। इस तरह की हिंसा सामान्य लोग कर ही नहीं सकते। मेरे हिसाब से, जिस प्रफेशनल तरीके से आगजनी हुई है, वह प्रशिक्षित हिंसक समूहों द्वारा ही संभव है। ध्यान रहे कृषि कानून विरोधी आंदोलन में भी यही हुआ था। आंदोलन को कैसे आगे चलाया जाए, इसके लिए टूलकिट बन गए थे और उसका केंद्र कनाडा से लेकर पाकिस्तान, ब्रिटेन, अमेरिका था। नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध आंदोलन में भी यही था। उस दौरान तो संयुक्त राष्ट्र तक से वक्तव्य आ गया था। इससे स्पष्ट होता है कि विरोधियों की ताकत कितनी बड़ी है। फोड़ा बना नासूर

दूसरी ओर मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में जारी शाहीनबाग धरने को उखाड़ने की कोशिश तक नहीं की। अगर कोरोना का प्रकोप नहीं होता तो पता नहीं धरना कब तक जारी रहता। ऐसे ही कृषि कानून विरोधी आंदोलन में 26 जनवरी, 2021 की घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश था और उस समय सरकार कदम उठाती तो 27 को आंदोलन खत्म हो जाता। लेकिन एक साधारण फोड़े को नासूर बनने दिया गया और अंत में प्रधानमंत्री ने स्वयं घोषणा कर उन कृषि कानूनों को वापस लिया, जिनके बारे में लगातार सरकार कहती रही थी कि वह हर हाल में उन कानूनों को लागू करने के फैसले पर कायम रहेगी।

मातोश्री पर उद्धव- पवार की अहम बैठक, एमवीए के पास बहुमत, निकलेगा सरकार बचाने का रास्ता?

मुंबई: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महाविकास अघाड़ी सरकार पर छाए संकट पर कहा कि हम उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं। आज शाम 6:30 बजे शरद पवार प्रफुल्ल पटेल और मैं आगे की रणनीति पर विचार करने के लिए उनसे मिलने जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरी एनसीपीशिवसेना के साथ खड़ी है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा संकट शिवसेना का अंदरूनी मामला है। लेकिन महाविकास अघाड़ी सरकार के पास बहुमत है। उन्होंने कहा कि सरकार को हर फैसला लेने का अधिकार है। एकनाथ शिंदे के आरोपों पर अजित पवार ने कहा कि जिस मंत्री के मातहत उसका मंत्रालय आता है उसे अपने संबंधित विभाग के बारे में निर्णय लेने का अधिकार होता है आपको बता दें कि एकनाथ शिंदे ने एनसीपी पर यह आरोप लगाया था कि शिवसेना विधायकों को फंड मुहैया नहीं करवाया जाता था।

एमवीए पर उदयन राजे का हमला

महाराष्ट्र की सरकार पर छाए संकट के विषय में बीजेपी नेता उदयनराजे भोसले ने कहा कि आगामी दिनों में नगरपालिका और जिला परिषद के चुनाव होने हैं। यह गठबंधन जायज नहीं था और यह टिकने वाला भी नहीं था। यह गठबंधन सिर्फ सत्ता और स्वार्थ के लिए बनाया गया था। इसलिए इसे एक ना एक दिन टूटना ही था। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना के प्रतिद्वंदी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी है। लिहाजा अब शिवसेना के लिए फैसले की घड़ी आ गयी है। उदयन राजे ने शिवसेना पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर वह महाविकास अघाड़ी के साथ रहते हैं। तो अगले 2 साल उनके राजनीतिक जीवन के अंतिम 2 वर्ष साबित होंगे। उन्होंने कहा कि अगर विधायकों का ध्यान रखा जाता तो यह बगावत नहीं होती। उदयन राजे ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की विरासत है। महाराष्ट्र धमकियों और आक्रामकता को बर्दाश्त नहीं करेगा। बेतुके बयान और धमकी भरी भाषा बोलने वालों से महाराष्ट्र नहीं डरेगा। महाराष्ट्र के नागरिक धमकी देने वालों को उनकी जगह दिखा देंगे। मुझे किसी का नाम लेकर अपनी जुबान का स्वाद नहीं निकालना। मेरी कामना है कि जो लोग बीमार है वह जल्द ठीक हो जाएं।

अजय चौधरी ही होंगे शिवसेना विधायक दल के नेता, विधानसभा उपाध्यक्ष ने पत्र लिखकर दी मंजूरी

मुंबई: महाराष्ट्र में सरकार बनाने और गिराने के बीच चल रही सियासी उथलपुथल के बीच हर पल कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में विधानसभा के डेप्युटी स्पीकर की ओर से शिवसेना के निवेदन पर मंजूरी दे दी गई है। दरअसल एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए शिंदे को विधायक दल के नेता के पद से हटा दिया था। इसके बाद शिवसेना ने विधायक दल के नेता के रूप में पार्टी की ओर से अजय चौधरी के रूप में नया नाम विधानसभा के समक्ष रखा था। इसी पर विधानसभा के उपाध्यक्ष ने अपनी मंजूरी दे दी है। वहीं इसको लेकर एक पत्र भी जारी किया गया है।

एकनाथ शिंदे के हर कदम पर राउत

कर रहे वार शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे के हर कदम को लेकर शिवसेना सांसद संजय राउत हमलावर हैं। दरअसल संजय राउत का शिंदे पर आरोप है कि वे और बीजेपी आपस में मिलीभगत किए हुए हैं। राउत ने कहा कि शिंदे का तो कुछ बचा ही नहीं है। शिंदे से जुड़े हर फैसले तो अब बीजेपी ही ले रही है। वहीं बीते दिन इशारों ही इशारों में शिंदे ने भी बिना बीजेपी का नाम लिए कहा है कि हमें एक राष्ट्रीय पार्टी का साथ मिला हुआ है। बहरहाल महाराष्ट्र की सियासत हर पल नई अंगड़ाई लेती दिख रही है, जिसमें लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। यहां यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि आखिरकार ऊंट किस करवट बैठता है।

बीजेपी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल से एमवीए के अंधाधुंध फैसलों की जांच करने का आग्रह किया

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रतिपक्ष (परिषद) प्रवीण दरेकर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से पिछले कुछ दिनों में महा विकास अघाड़ी सरकार द्वारा लिए गए अंधाधुंध फैसलों के खिलाफ हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। राज्यपाल को लिखे एक पत्र में, दरेकर ने सत्तारूढ़ सहयोगी शिवसेना में विद्रोह की ओर इशारा किया, जिसके बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा देने की पेशकश की और बाद में अपना आधिकारिक आवास वर्षा खाली कर दिया।इन परिस्थितियों में, उन्होंने एमवीए सरकार पर कई ताबड़तोड़ फैसले लेने और सरकारी संकल्प (जीआर) जारी करने का आरोप लगाया, जिसमें दावा किया गया कि केवल 48 घंटों में 160 जीआर जारी किए गए हैं।

गोंदिया : किसान समेत तीन लोगों की गई जान, कहर बनकर टूटी बिजली

गोंदिया. जिले में गुरुवार दोपहर अचानक गोरेगांव, अर्जुनी मोरगांव तथा कुछ क्षेत्रों में बिजली की कड़कड़ाहट के साथ 15 से 20 मिनट बारिश हुई। इसी दौरान बिजली कहर बनकर टूट पड़ी। इस घटना में अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों की गाज गिरने से मौत हो गई। घायलों के नाम गोरेगांव के झांजिया निवासी झामाजी उरकुडा कुर्वे (58) व जानाटोला निवासी रामप्रसाद सोमा बिसेन (49) हैं। बता दें कि गुरुवार सुबह से दोपहर 12 बजे तक खुला आसमान था। उमस बढ़ गई थी लेकिन अचानक 12 बजे के बाद धीरे-धीरे मौसम में बदलाव आने लगा और दोपहर 12.30 बजे के बाद बिजली की कड़कड़ाहट के साथ गोरेगांव तहसील में बारिश शुरू हुई। इस दौरान बोडुंदा निवासी जोशीराम उईके, गोरेगांव स्थित खेत में काम कर रहे खेतिहर मजदूर रामेश्वर अनंतराम ठाकरे व अर्जुनी मोरगांव तहसील के बोरटोला निवासी पवन गुडेवार खेत मंे काम कर रहे थे कि अचानक बिजली गिर गई।

महाविकास अघाड़ी को बचाने की कोशिश की तो घर नहीं जाने देंगे...

नारायण राणे ने पवार को दी धमकी?

मुंबई: महाविकास अघाड़ी सरकार पर छाए संकट के बीच अब धमकियों का दौर भी शुरू हो चुका है। एक तरफ जहां शिवसेना के बागी मंत्री एकनाथ शिंदे के पास विधायकों का संख्या बल लगातार बढ़ता जा रहा है। एकनाथ शिंदे अब 50 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए नजर आ रहे हैं । वहीं दूसरी तरफ एमवीए के संयोजक और एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार को बीजेपी के केंद्रीय मंत्री नारायण राणे द्वारा धमकी देने का मामला सामने आया है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने यह आरोप लगाया है। राउत ने आरोप लगाया कि अगर शरद पवार एमवीए (MVA) को बचाने की कोशिश की तो उन्हें घर नहीं जाने देंगे। राउत ने कहा कि अगर महाराष्ट्र में पवार ऐसी धमकी देने वाला कोई होगा तो इसका ख्याल नरेंद्र मोदी और अमित शाह को ध्यान रखना होगा।

नारायण राणे के ट्वीट के क्या

बीजेपी नेता नारायण राणे ने 2 ट्वीट किए थे। इन दोनों ट्वीट में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार पर निशाना साधा गया था। ट्वीट में लिखा था कि अघाड़ी सरकार अपनी सुविधा और स्वार्थ के लिए तैयार की गई सरकार है। इसलिए काम और उसकी बड़ाई न करें। कुछ लोगों ने कई बार बगावत की है। उस बगावत जा इतिहास पूरे महाराष्ट्र को मालूम है। गणमान्य व्यक्तियों को धमकाना उचित नहीं है। राणे के दूसरे ट्वीट में क्या

नारायण राणे ने अपने ट्वीट में कहा था कि माननीय शरद पवार साहेब सभी को धमकियां दे रहे हैं कि सभागृह में आकर दिखाओ। वह तो आएंगे ही, वह आएंगे और अपने मन मुताबिक मतदान भी करेंगे। उनके बालों को भी छूने की कोशिश हुई तो घर जाना मुश्किल होगा। राणे के बयान पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने कहा कि हमारी पार्टी में सभी को जवाब देने का अधिकार है। हालांकि नारायण राणे ने क्या बोला इसकी मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन उत्तर देना सभी का अधिकार होता है।

शख्स ने राज्यपाल को लिखा पत्र, खुद को 'कार्यवाहक मुख्यमंत्री' बनाने की मांग की

श्रीकांत गदाले ने राज्यपाल को लिखा पत्र जिला कलेक्टर कार्यालय में जमा कर दिया है। गदाले ने अपने पत्र में दावा किया कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आम लोगों की समस्याओं की उपेक्षा की है और राज्य में किसानों की मदद नहीं की जा रही है।

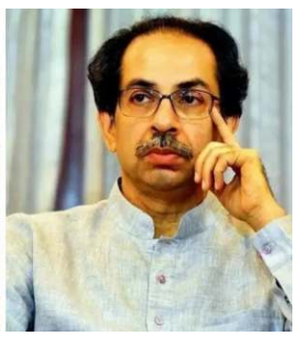

महाराष्ट्र में सियासी घमासान के बीच बीड जिले के एक शख्स ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र लिखकर राज्य का कार्यवाहक मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है।

शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार वर्तमान में मंत्री एकनाथ शिंदे के विद्रोह के कारण अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। एकनाथ शिंदे 37 शिवसेना विधायकों और 10 निर्दलीय विधायकों के साथ गुवाहाटी में डेरा डाले हुए हैं।

केज तहसील के दहीफल (वडमौली) निवासी श्रीकांत गदाले ने राज्यपाल को लिखा पत्र जिला कलेक्टर कार्यालय में जमा कर दिया है।

गदाले ने अपने पत्र में दावा किया कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आम लोगों की समस्याओं की उपेक्षा की है और राज्य में किसानों की मदद नहीं की जा रही है। अपने पत्र में उन्होंने आगे लिखा, "मैं 10-12 साल से राजनीति और सामाजिक जीवन में रहा हूं और मैंने किसानों और गरीब लोगों की समस्याओं के लिए काम किया है। पर्यावरणीय आपदाओं के कारण राज्य को नुकसान हो रहा है। उम्मीद थी कि सरकार तत्काल राहत देगी लेकिन मदद नहीं दी गई थी।

गदाले ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने और उन्हें एक मौका देने का आग्रह किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह रोजगार, किसानों, खेतिहर मजदूरों और गन्ना काटने वालों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

महाराष्ट्र में शिंदे गुट लगातार मजबूत होता जा रहा वहीं दूसरी तरफ विधायक एक-एक करके उद्धव ठाकरे से अलग होते दिख रहे हैं। अब शिवसेना की ओर से 16 बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग उठाते हुए डिप्टी स्पीकर को पत्र भेजा गया है।

इस बीच अजीत पवार ने बताया कि कल हमने राजनीतिक संकट पर एनसीपी के स्टैंड पर बात की। आज मैंने शरद पवार से मुलाकात की। अब शाम साढ़े छह बजे हम उद्धव ठाकरे से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा स्टैंड क्लियर है। हम सीएम ठाकरे के साथ हैं। अजीत पवार का कहना है कि भले ही विद्रोही कह रहे हों कि उनके पास संख्या है लेकिन वह शिवसेना के साथ हैं। बहुमत अभी महा विकास अघाड़ी के पास है।

गोंदिया : किसान समेत तीन लोगों की गई जान, कहर बनकर टूटी बिजली

गोंदिया. जिले में गुरुवार दोपहर अचानक गोरेगांव, अर्जुनी मोरगांव तथा कुछ क्षेत्रों में बिजली की कड़कड़ाहट के साथ 15 से 20 मिनट बारिश हुई। इसी दौरान बिजली कहर बनकर टूट पड़ी। इस घटना में अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों की गाज गिरने से मौत हो गई। मृतकों के नाम गोरेगांव तहसील के बोडुंदा निवासी जोशीराम झगडू उईके (54), घोटी निवासी रामेश्वर अनंतराम ठाकरे व अर्जुनी मोरगांव के बोरटोला-सावरटोला निवासी 27 वर्षीय पवन मनोहर गुडेवार बताए जाते हैं। इस बीच गोरेगांव की घटना में दो खेत मजदूर घायल हो गए। घायलों के नाम गोरेगांव के झांजिया निवासी झामाजी उरकुडा कुर्वे (58) व जानाटोला निवासी रामप्रसाद सोमा बिसेन (49) हैं। बता दें कि गुरुवार सुबह से दोपहर 12 बजे तक खुला आसमान था। उमस बढ़ गई थी लेकिन अचानक 12 बजे के बाद धीरे-धीरे मौसम में बदलाव आने लगा और दोपहर 12.30 बजे के बाद बिजली की कड़कड़ाहट के साथ गोरेगांव तहसील में बारिश शुरू हुई। इस दौरान बोडुंदा निवासी जोशीराम उईके, गोरेगांव स्थित खेत में काम कर रहे खेतिहर मजदूर रामेश्वर अनंतराम ठाकरे व अर्जुनी मोरगांव तहसील के बोरटोला निवासी पवन गुडेवार खेत मंे काम कर रहे थे कि अचानक बिजली गिर गई। तीनों घटनाओं में उपरोक्त तीनों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वहीं गोरेगांव परिसर स्थित खेत में काम करने वाले खेत मजदूर झामाजी कुर्वे व रामप्रसाद बिसेन भी घायल हो गए। घायलों को उपचार हेतु गोरेगांव अस्पताल में भर्ती किया गया।

गर्लफ्रेंड ने साथ भागने से किया मना तो युवक ने मार दिया चाकू, हुआ गिरफ्तार

महाराष्ट्र के ठाणे से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. दरअसल पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि एक 32 वर्षीय एक व्यक्ति को ठाणे में भिवंडी पुलिस ने कथित तौर पर चाकू मारकर अपनी प्रेमिका को गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है, क्योंकि प्रेमिका ने उसके साथ भागने से मना कर दिया था. पुलिस के मुताबिक घटना गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे की है, जब आरोपी राजेश भारती ने काम पर जा रही 30 वर्षीय महिला को पकड़ लिया और उस पर चाकू से हमला कर दिया. भिवंडी थाने के थाना प्रभारी ने बताया कि घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. अधिकारी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) और आईपीसी के अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है, आगे की जांच जारी है. इस बीच पिछले हफ्ते मालवानी में एक 22 वर्षीय महिला अपने पति द्वारा उसके चेहरे पर एसिड फेंकने के बाद झुलस गई थी. तेजाब के छींटे से पीड़िता का 3 साल का बेटा भी झुलस गया. मां-बेटे दोनों का इलाज चल रहा है. आरोपी की पहचान एहसान अंसारी (32) के रूप में हुई है और मालवानी पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. अंसारी को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. मालवानी पुलिस के अनुसार, अंजुम अंसारी के रूप में पहचानी गई महिला के चेहरे और छाती पर जलन हुई है, जबकि उसके बेटे अरशद के होंठ जल गए हैं

मुंबई में एक शख्स ने अपनी पत्नी पर पेपर कटर से 30 वार कर किया घायल, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

मुंबई के दहिसर (ईस्ट) में गुरुवार दोपहर एक 45 वर्षीय शख्स ने अपनी पत्नी पर पेपर कटर ब्लेड से हमला करते हुए 30 बार वार किया. पुलिस ने कहा कि गहरी चोट लगने के कारण महिला की एक अस्पताल में सर्जरी हुई और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है. घटना दहिसर (पूर्व) में न्यू एकता सोसायटी, एसआरए बिल्डिंग, केतकीपाड़ा में दोपहर करीब 12.30 बजे हुई.

19 वर्षीय शिकायतकर्ता रहीजा मुजावर ने पुलिस को बताया कि उसके पिता फिरोज, जो अपनी पत्नी के मोबाइल फोन पर बहुत समय बिताने से नाराज हो गए थे, ने उनकी 37 वर्षीय मां राहत पर ब्लेड से हमला किया. उसने कहा कि यह घटना उसके और उसके दादा-दादी की मौजूदगी में हुई. बेटी ने मां को पहुंचाया अस्पताल दहिसर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि फ़िरोज़ ने अपनी पत्नी की हत्या करने के इरादे से उसके चेहरे, हाथ, पेट, पीठ और कान पर पेपर कटर ब्लेड से वार किया. उसने उसे 30 बार मारा और उसके शरीर पर गहरे घाव हो गए. उसे उसकी बेटी द्वारा मीरा रोड के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां महिला की सर्जरी हुई. डॉक्टर ने हमें बताया कि उसकी हालत स्थिर है. हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे गंभीर चोट पहुंचाने और हत्या के प्रयास के लिए धारा 326 और 307 के तहत मामला दर्ज किया है. दहिसर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रवीण पाटिल ने कहा, हम उसके ठीक होने के बाद उसका बयान दर्ज करेंगे. अधिकारी ने कहा कि हमले के पीछे और भी कारण होंगे और जब परिवार के सदस्य सदमे से बाहर होंगे और लंबी बात करने की स्थिति में होंगे तो हम मामले की जांच करेंगे.

24 घंटे में वापस आओ! महाविकास आघाड़ी पर चर्चा संभव, गुवाहाटी के विधायकों से शिवसेना का आह्वान

मुंबई, महाविकास आघाड़ी से शिवसेना को बाहर निकलना चाहिए और अलग विचार करना चाहिए, ऐसी गुवाहाटी के विधायकों की भूमिका है तो उस पर अवश्य विचार किया जाएगा। महाविकास आघाड़ी पर चर्चा संभव है, परंतु ये विधायक पहले २४ घंटे के अंदर मुंबई वापस आएं और शिवसेनापक्षप्रमुख व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के समक्ष अपनी भूमिका रखें, ऐसा आह्वान कल शिवसेना की ओर से किया गया है। शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने कल 'वर्षा' निवास में संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर शिवसेना की भूमिका रखी। इस अवसर पर शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने कहा कि विधायक गुवाहाटी में बैठकर पत्राचार न करें। मोबाइल, व्हॉट्सऐप, ट्विटर पर पत्र-व्यवहार न करें। आप कहते हैं कि हम सच्चे शिवसैनिक हैं, हम शिवसेना नहीं छोड़ेंगे। हमारी भूमिका वर्तमान सरकार के संदर्भ में है।

ऐसा है तो उस महाविकास आघाड़ी सरकार से शिवसेना बाहर निकलने को तैयार है। आप यहां आने की हिम्मत दिखाओ। उद्धव साहेब के सामने आओ, अपनी भूमिका रखो। बेशक आपकी भूमिका पर अवश्य विचार किया जाएगा। विधायकों का अपहरण करके उन्हें गुलाम बनाया जा रहा है मुंबई से सूरत कौन गया, गुवाहाटी कौन गया और गोवा कौन गया? ये खबरें देखीं। वैâ लाश पाटील सूरत और नितिन देशमुख गुवाहाटी से वापस आए हैं। शिवसेना के विधायकों का अपहरण भाजपा ने किया है, उन्हें गुलाम बनाया जा रहा है, ऐसा कहते हुए कि राजनीति का स्तर कितना नीचे गिर गया है, ऐसी टिप्पणी संजय राऊत ने की।

गुवाहाटी के २१ विधायक संपर्क में शिवसेना विधायक वैâलाश पाटील और नितिन देशमुख वापस लौट आए हैं। उनके कब्जे वाले २१ विधायकों से संपर्क हुआ है। जब वे विधायक मुंबई आएंगे तो उस समय ये विधायक शिवसेना के होंगे, ऐसा संजय राऊत ने कहा। विधानसभा तक संघर्ष पहुंचा तो विजय महाविकास आघाड़ी की ही होगी, ऐसा संजय राऊत ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा।

महाराष्ट्र में अब 'मिशन जीरो ड्रॉपआउट: शिक्षा से जुड़ेंगे स्कूल छोड़ चुके बच्चे, स्कूल शिक्षा मंत्री का दावा

मुंबई, स्कूल छोड़ चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें पुन: शिक्षा की धारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने महाराष्ट्र में 'मिशन जीरो ड्रॉपआउट' मुहिम शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने यह जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट कर साझा की। उन्होंने कहा है कि शिक्षा के अधिकार को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने स्कूली शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए इस विशेष मुहिम को शुरू किया है। महाराष्ट्र में बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम १ अप्रैल २०१० को लागू किया गया। इस अधिनियम के तहत ६ से १४ वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को स्कूल में दाखिला देने, नियमित रूप से स्कूल जाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है, वहीं इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि राज्य में आज भी कई बच्चे विभिन्न कारणों से स्कूल से बाहर हैं। कोरोना में महाराष्ट्र से पलायन हुए परिवार कोरोना के चलते बीते दो सालों में महाराष्ट्र के कई जिलों से बड़ी संख्या में परिवार पलायन कर चुके हैं। इनमें अप्रवासी, वंचित समूहों, भूमिहीन और अल्प भूमि धारकों से संबंधित आर्थिक रूप से दुर्बल परिवार शामिल हैं। अधिकांश परिवार फसल कटाई के लिए सोलापुर, कोल्हापुर, पुणे, सातारा, नगर और पड़ोसी राज्यों कर्नाटक और गुजरात में प्रवास करते हैं। स्कूल से वंचित ऐसे परिवारों के प्रवासी बच्चों को शिक्षा की धारा में लाने के लिए मार्च २०२१ में महाराष्ट्र में एक विशेष खोज अभियान शुरू किया गया था। हालांकि कोविड के प्रकोप के कारण राज्य में स्कूलों के बंद होने से इस अभियान को प्रभावी ढंग से नहीं चलाया जा सका। इससे छात्रों की नियमित शिक्षा बाधित हुई।

व्यवसाय में क्लाउड कंप्यूटिंग के लाभ

क्लाउड कंप्यूटिंग, स्टोरेज और कंप्यूटिंग सेवाओं की ऑन-डिमांड डिलीवरी है, जैसे डेटाबेस, नेटवर्किंग, सर्वर और अन्य आईटी संसाधन, इंटरनेट के माध्यम से किसी भी क्लाउड सेवा प्लेटफॉर्म के माध्यम से भुगतान-जैसा-उपयोग मूल्य निर्धारण के साथ।

पिछले कुछ वर्षों से, क्लाउड कंप्यूटिंग आईटी उद्योग की चर्चा रही है, और इसकी लोकप्रियता का एक महत्वपूर्ण कारण भंडारण और कंप्यूटिंग क्षमता की तीव्र मांग है। लागत में कमी, लचीलापन, मापनीयता, सुरक्षा और विश्वसनीयता एक व्यवसाय में क्लाउड कम्प्यूटिंग के अत्यधिक स्वीकृत लाभों में से कुछ हैं।

नीचे मैं व्यवसाय के लिए इसके मुख्य लाभों का विवरण देता हूं

लागत में कटौती (expense)

क्लाउड कम्प्यूटिंग के सबसे बड़े लाभों में से एक आईटी लागत में उल्लेखनीय कमी है जिसने अनुप्रयोगों को चलाने और दूरस्थ डेटा केंद्रों में डेटा संग्रहीत करने में मदद की है। व्यवसायों को अब अपने स्वयं के हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर में निवेश करने या महंगे रखरखाव और समर्थन के लिए भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, वे केवल उन संसाधनों के लिए भुगतान कर सकते हैं जिनका वे उपयोग करते हैं, जिससे बहुत सारे खर्च बच जाते हैं।

फ्लेक्सिबिलिटी

क्लाउड कंप्यूटिंग ने हमें बिना किसी अग्रिम निवेश के आवश्यकतानुसार संसाधनों को ऊपर या नीचे करने की अनुमति दी है। इस लचीलेपन ने सभी आकारों के व्यवसायों को अधिक चुस्त और परिवर्तन के प्रति उत्तरदायी होने में मदद की है, जिससे उनके संचालन को बढ़ाना आसान हो गया है।

स्केलेबिलिटी

क्लाउड कंप्यूटिंग ने हमें कहीं से भी लचीले और सुरक्षित रूप से काम करने में सक्षम बनाया है। क्लाउड-आधारित एप्लिकेशन और स्टोरेज के साथ, व्यवसाय अब अपने कर्मचारियों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम करने के लिए आवश्यक उपकरण और उपकरण प्रदान कर सकते हैं, चाहे वे कार्यालय में हों, घर पर हों या यात्रा पर हों।

सुरक्षा (security)

क्लाउड व्यवसायों को डेटा स्टोर करने और साझा करने के लिए अधिक सुरक्षित वातावरण प्रदान करके व्यवसायों को उनकी सुरक्षा में सुधार करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, क्लाउड व्यवसायों को अपने सिस्टम को अप-टू-डेट रखने और डेटा तक पहुंच प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। अंत में, यह व्यवसायों को सुरक्षा घटनाओं का त्वरित और प्रभावी ढंग से जवाब देने में मदद कर सकता है।

गुणवत्ता नियंत्रण (quality control)

क्लाउड कंप्यूटिंग ने व्यवसायों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण में क्रांति ला दी है। उन्हें रीयल-टाइम डेटा, आसान सहयोग और शक्तिशाली विश्लेषणात्मक टूल तक पहुंच प्रदान करके, क्लाउड ने व्यवसायों को उनकी गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं को शीर्ष पर मजबूत करने में मदद की है। क्लाउड व्यवसायों के संचालन के तरीके को बदल रहा है और यहां लंबे समय तक रहने के लिए है। यदि आप पहले से ही अपने व्यवसाय में क्लाउड का उपयोग नहीं कर रहे हैं, तो संभावनाओं की खोज करके क्लाउड कंप्यूटिंग के लाभों को पुनः प्राप्त करने का समय आ गया है और देखें कि यह संचालन और कम लागत में सुधार करने में आपकी सहायता कैसे कर सकता है।

2050 तक 250 करोड़ लोग हो सकते हैं बहरे:हेडफोन से दुनिया में लोग बहरेपन का हो रहे शिकार, फ्रांस में 25% लोग प्रभावित

फ्रांस के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल इंस्टीट्यूट की रिसर्च से पता चला है कि फ्रांस में चार में से एक व्यक्ति को सुनने में परेशानी हो रही है। वे धीरे-धीरे बहरे होते जा रहे हैं। मतलब वहां की 25% आबादी इससे प्रभावित हो रही है।

डिप्रेशन और शोर से लोग हो रहे हैं बहरेपन का शिकार

पहली बार फ्रांस में इस तरह की रिसर्च बड़े लेवल पर की गई है, जिसमें 18 से 75 वर्ष की उम्र के 1,86,460 लोगों का शामिल किया गया था। रिसर्च करने वालों का मानना है कि पहले केवल छोटे लेवल पर रिसर्च की गई थी, लेकिन इस बार की गई रिसर्च के मुताबिक लोगों को सुनने में समस्या लाइफस्टाइल, सोशल आइसोलेशन व डिप्रेशन व तेज आवाज के संपर्क में आने के कारण हो रही है।

2050 तक बढ़कर 250 करोड़ लोग हो सकते हैं बहरे

रिसर्च में पाया गया है कि कुछ लोगों में शुगर और डिप्रेशन की वजह से सुनने की समस्या हो रही है। वहीं कुछ लोगों को अकेलेपन, शहरी शोर और हेडफोन का यूज करने के कारण परेशानी हो रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, दुनिया में लगभग 150 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में सुनने में समस्या महसूस कर रहे हैं। यह संख्या 2050 तक बढ़कर 250 करोड़ होने की संभावना है। इसलिए इसे स्वास्थ्य समस्या के रूप में देखा जा रहा है।

फ्रांस में 37% लोग ही करते है हियरिंग एड इस्तेमाल

फ्रांस में महज 37% लोग ही हियरिंग एड इस्तेमाल करते हैं। धूम्रपान करने वाले और उच्च BMI वाले लोग भी हियरिंग एड का कम इस्तेमाल कर रहे हैं। बढ़ती हुई समस्या को देखते हुए पिछले साल, फ्रांस के स्वास्थ्य विभाग ने फ्री में हियरिंग एड लोगों को उपलब्ध कराए गए थे। हियरिंग एड के लिए बीमा का भी प्रावधान किया गया है।

तंबाकू से मौतें रोकने की कवायद:दुनिया सिगरेट में निकोटिन घटाकर मौतें रोक रही, भारत में यही नहीं पता कि कौन सा केमिकल खतरनाक

भारत में बनने वाली हर तरह की बीड़ी और सिगरेट कितने खतरनाक रसायनों वाली है, ये कोई नहीं जानता। इसे जांचने की व्यवस्था नहीं है। ये हालात तब है, जब दुनिया के कई देश सिगरेट से निकोटिन घटाकर मौतें रोकने वाली रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं।

उदाहरण के लिए, अमेरिका जोकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (FCTC) का सदस्य भी नहीं है, सिगरेट में निकोटिन की मात्रा तय करने की नीति बना रहा है। दूसरी ओर भारत FCTC का सदस्य है, फिर भी अभी तक इस दिशा में नहीं बढ़ा है।

केंद्र सरकार जल्द ले सकती है एक्शन

यही वजह है कि सिगरेट-बीड़ी बनाने वाली कंपनियों की मनमानी चल रही है। लेकिन, अब केंद्र सरकार सिगरेट एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट एक्ट (COTPA) में बदलाव करने की प्रक्रिया में है। इसके तहत कंपनियों के लिए यह बाध्यता होगी कि वे सिगरेट के पैकेट पर खतरनाक केमिकल्स का जिक्र करें और यह भी बताएं कि उन रसायनों की मात्रा कितनी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि सिगरेट में खतरनाक केमिकल्स की जांच के लिए तीन विश्व स्तरीय लैब तैयार कर ली गई हैं। अब एक वैज्ञानिक कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी तय करेगी कि खतरनाक केमिकल की जांच कैसे की जाए। माना जा रहा है कि अगले दो-तीन महीने में जांच के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसिजर (SoP) का खाका तैयार हो जाएगा।

कानून में बदलाव के बाद ही कंपनियां बाध्य हो पाएंगी

तंबाकू निषेध पर काम करने के लिए WHO से पुरस्कार प्राप्त डॉ. एसके अरोड़ा का कहना है कि कानून में बदलाव जरूरी है। उसके बाद ही कंपनियां यह बताने के लिए बाध्य होंगी कि उनके उत्पादों में खतरनाक रसायनों की मात्रा कितनी है। कंपनियों द्वारा किए जा रहे दावों की जांच भी हो सकेगी। सिगरेट-बीड़ी में निकोटिन समेत करीब 7 हजार केमिकल होते हैं। इसमें से 200 तरह के टॉक्सिन होते हैं। 69 केमिकल ऐसे होते हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं। अगर इन्हीं रसायनों को नियंत्रित कर दिया जाए तो लाखों मौतें रोकी जा सकती हैं।

सिगरेट में जितनी निकोटिन घटेगी, उतनी मौतें कम होंगी

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अमेरिका में सिगरेट के असर से हर साल 4.8 लाख मौतें होती हैं। इसकी प्रमुख वजह निकोटिन की ज्यादा मात्रा है। अमेरिका अब निकोटिन की कम मात्रा वाली सिगरेट को ही बाजार में लाने की नीति बना रहा है। मई 2023 तक नई नीति लागू हो जाएगी। खास बात यह है कि सिगरेट में निकोटिन की मात्रा को 95% तक घटाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। अमेरिकी सरकार का मानना है कि ऐसा करने से सिगरेट से होने वाली मौतें भी 95% तक घट सकती हैं।

मानसून में बढ़ सकती है किडनी रोगियों की परेशानी, इन बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक

भीषण तपती गर्मी के बाद आने वाला मानसून काफी राहत से भरा हुआ होता है, पर अपने साथ यह कई तरह की परेशानियां भी लेकर आता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, बरसात के इस मौसम में गंदगी, दूषित पानी और भोजन के कारण कई तरह के संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। यह पेट से लेकर शरीर के कई अन्य अंगों तक के लिए मुश्किलों का कारण बन सकती है। इस वजह से विशेषज्ञ इस मौसम में सेहत को लेकर विशेष ध्यान देने की आवश्यकताओं पर जोर देते हैं। इस मौसम में गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डेंगू, टाइफाइड और डायरिया जैसी समस्याओं को काफी अधिक देखा जाता रहा है। मानसून का यह मौसम किडनी की समस्याओं के शिकार लोगों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। डॉक्टर्स कहते हैं, बरसात के मौसम में नमी युक्त परिस्थितियों के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना महत्वपूर्ण हो जाता है। इसमें की गई लापरवाही किडनी में संक्रमण या डैमेज का कारण बन सकती है। इस मौसम में होने वाली तमाम बीमारियों जैसे लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू, टाइफाइड, एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस, हेपेटाइटिस ए और ई के कारण किडनी में सूजन हो सकती है। ऐसे में जिन लोगों को पहले से ही किडनी की समस्या है उन्हें अपनी सेहत को लेकर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता है। आइए जानते हैं कि आपको किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए?

खान-पान की स्वच्छता का रखें ध्यान

बरसात के इस मौसम में किडनी या किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचाव के लिए भोजन और पानी की साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। पानी पीने से पहले उसे उबालकर छान लेना चाहिए, क्योंकि बारिश के मौसम में यह संक्रमण का सबसे आम स्रोत है। इसके अलावा घर का बना ताजा खाना खाने का ही प्रयास करें। बाहर के खाने में अस्वच्छता का जोखिम हो सकता है।

ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल का ध्यान

ब्लड प्रेशर और शुगर, दोनों का लगातार बढ़ा रहना किडनी की कई तरह की समस्याओं को बढ़ा सकती है। जो लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं उन्हें नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर लेवल की जांच करनी चाहिए। इन दोनों को ही कंट्रोल में रखने के प्रयास करते रहें। रक्तचाप को भी

किडनी की गंभीर समस्याओं के प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता रहा है।

फलों को खाने से पहले अच्छी तरह धोएं

इस मौसम में सुनिश्चित करें कि आप ताजे कटे हुए फल ही खा रहे हैं, क्योंकि पहले से कटे हुए फलों पर सूक्ष्म जीवों के जमा होने का जोखिम रहता है। खाने से पहले फलों को छील कर साफ कर लें इससे बाहरी त्वचा पर मौजूद कीटाणुओं या बैक्टीरिया से होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है। इसी तरह से सब्जियों को भी अच्छी तरह से धोकर ही खाएं।

व्यक्तिगत स्वच्छता सबसे आवश्यक

बरसात के मौसम में संक्रमण से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता का ख्याल रखना सबसे जरूरी माना जाता है। घर के आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखें। अपने हाथों को लगातार धोते रहना बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर खाना खाने से पहले और बाद में। हाथों की स्वच्छता न सिर्फ आपको मौसम के दौरान होने वाले संक्रमण से बचाएगी साथ ही यह कोरोना के जोखिम को कम करने का भी सबसे उपयुक्त तरीका है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह शुभ है। कार्यों को गति मिलने का समय आ गया है। लंबे समय से अटके हुए कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें सफलता मिलेगी। परिवार और मित्रों का सहयोग प्राप्त रहेगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। कार्यस्थल पर मनमुताबिक वातावरण मिलेगा। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो सप्ताह लाभदायक रहेगा।

वृषभ : कुछ कार्य अटकने से मन विचलित रहेगा लेकिन आपको अपने कार्यों को पूरा करने के प्रति सजग रहना होगा। सफलता-असफलता का विचार किए बिना बस आप कर्म करें। सप्ताहांत में आर्थिक समस्या दूर होगी। नए कार्य व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी। नौकरीपेशा युवाओं को उन्नति के अवसर मिलेंगे।

मिथुन : पारिवारिक स्थिति में मांगलिक प्रसंग आएंगे। धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। भूमि, भवन के कार्य गति पकड़ेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। बेरोजगारों को नौकरी के अवसर मिलेंगे। व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। अविवाहितों के विवाह की बात इस सप्ताह बन सकती है।

कर्क : इस सप्ताह आपको भागदौड़ और यात्राएं अधिक करनी होंगी। उन्नति के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। भाग्य को बल देने के लिए अपने व्यवहार और आचरण को संयमित रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार जरूर आएगा लेकिन जरूरतें पूरी होने में संदेह रहेगा। पारिवारिक जीवन में तनाव न लें, विपरीत परिस्थिति से मुकाबले करने को तैयार रहें।

सिंह : मान-सम्मान, प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। आपके किसी विशेष कार्य के कारण बड़ा सम्मान प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में माहौल उल्लासपूर्ण बना रहेगा। संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। पुराने निवेश से लाभ होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सप्ताहांत में कार्य की अधिकता से थकान का अनुभव करेंगे।

कन्या : सप्ताह सुखद है। पारिवारिक माहौल स्वस्थ रहेगा। परिवार के वरिष्ठजन और मित्रों का सहयोग प्राप्त रहेगा। ज्यादातर कार्य तो पूरे हो जाएंगे। आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। समस्या का समाधान मिलेगा। नौकरीपेशा को लाभ, व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। संकटपूर्ण समय टल गया है। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

तुला : सप्ताह में सारे कार्य बन जाएंगे। अटके कार्य भी पूरे हो जाएंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ अधिक रहेगी लेकिन इसका लाभ भविष्य में मिलने वाला है। व्यापारी वर्ग नया कार्य प्रारंभ करेंगे। संपत्ति के विवादों का निपटारा होगा। घर-परिवार में नया वाहन आएगा। लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे।

वृश्चिक : भागदौड़ अधिक रहने के बावजूद आपको लाभ के अवसर मिलेंगे। बेरोजगारों को इस सप्ताह शुभ समाचार मिल सकता है। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है। धन-संपदा प्राप्त होने के अवसर आएंगे। वैवाहिक सुख प्राप्त होगा। परिवार में नया मेहमान आएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कार्य सामान्य गति से होंगे। व्यापारी कार्य का विस्तार करेंगे।

धनु : नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए सप्ताह शुभ है। कर्ज मुक्ति होगी। आर्थिक लाभ के एक से अधिक अवसर मिलेंगे। भूमि, संपत्ति में वृद्धि होगी। परिवार के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। किसी विशेष प्रयोजन से यात्राएं करनी पड़ सकती है। कार्य व्यवसाय में उन्नति होगी। नौकरीपेशा का स्थानांतरण हो सकता है।

मकर : संयमित जीवनशैली से अनेक रोगों को दूर करेंगे। कार्य-व्यवसाय उत्तम तरीके से होंगे। परिवार में मांगलिक प्रसंग आएगा। धार्मिक-मनोरंजक यात्राएं होंगी। भूमि, भवन खरीदने के योग बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। प्रेम प्रसंगों में लाभ होगा। नए प्रसंग उपस्थित हो सकते हैं।

कुंभ : धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। संयमित जीवनशैली से अनेक शारीरिक रोगों को दूर करने में सफल होंगे। परिवार के साथ समय बिताएं लाभ होगा। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए सही समय है। नौकरीपेशा को उन्नति मिलेगी। बेरोजगारों को कार्य प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति अनुकूल होगी। नए प्रेम प्रसंग प्राप्त हो सकते हैं।

मीन : कार्य-व्यवसाय में उन्नति होगी। परिवार में वातावरण सुखद रहेगा। अवसरों का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोग दूर होंगे। मानसिक-आध्यात्मिक उन्नति होगी। नौकरीपेशा को उन्नति मिलेगी। नए व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं पुराने को गति मिलेगी। परिवार और मित्रों के सहयोग से बड़ी योजनाओं को सफल कर पाएंगे।

चुटकुले

पति ने ऑफिस में बैठे-बैठे फेसबुक पर पोस्ट किया-पंछी बनू उड़ता फिरूं मस्त गगन में...
तभी वाइफ का कमेंट आया..
धरती छूते ही सब्जी ले आना अपने भवन में...
वरना एक भी बाल नहीं बचेंगे तुम्हारे चमन में!

चिंटू- भाई, तुझे पता है कि शांति किसके घर में होती है ?
मिंटू- हां, बहुत आसान जवाब है इसका
चिंटू- बता फिर
मिंटू- जहां मियां-बीवी दोनों ही मोबाइल चलाते हैं....

रमाकांत मुंडे (बॉलीवुड मीडिया फोटोग्राफर) का जन्मदिन मुंबई में मनाया गया

फोटोग्राफर रमाकांत मुंडे का जन्मदिन बॉलीवुड हस्तियों, मीडिया के साथ मुंबई में मनाया गया। फिल्म इंडस्ट्री के कई नामी मेहमान मौजूद थे.वरिष्ठ फोटोग्राफर रमाकांत मुंडे बॉलीवुड ने उनके जन्मदिन के लिए एक पार्टी का आयोजन किया था. रमाकांत मुंडे ने सभी को जन्मदिन की बधाई दी। संगीतकार दिलीप सेन, अभिनेत्री आरती नागपाल, अरुण बख्शी (वीडियो के माध्यम से शुभकामनाएं), चारुल मलिक (वीडियो के माध्यम से शुभकामनाएं), हर्ष कुमार मुंडे, हैरी वर्मा, प्रवीण चंद्र, इरम फरीदी (निर्माता), रोशन मनसुखानी, मीर अली, सुमित चावला, दिनेश परेश, टिंकू जी सहित फिल्म उद्योग की हस्तियां मौजूद थी।

मेरे सबसे अच्छे दोस्त दिलीप यादव (वरिष्ठ पत्रकार) जन्मदिन मनाने के लिए उनका विशेष धन्यवाद।

आप कह सकते हैं कि रमाकांत मुंडे ने कई दशकों तक एक प्रेस फोटोग्राफर के रूप में शानदार काम किया है।

अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, अकबर खान, सनी देओल, मनीषा कोइराला, संजय दत्त, तब्बू, आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, बिपाशा बसु, महिमा चौधरी, मुकेश खन्ना, राज बब्बर, राहुल देव, ऐसे कई अलग-अलग कलाकारों की यादगार यादों की तस्वीरें आपके कैमरे में कैद हैं।

माइकल जैक्सन जब भारत आए तो भी उन्होंने अपनी दुर्लभ तस्वीरों को कैमरे में कैद करने का मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने कई नए कलाकारों का मार्गदर्शन और मार्गदर्शन किया है। रमाकांत मुंडे के हम लंबे जीवन और उनके प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं।

' पानीलोक ' भारत की पहली अंडरवाटर एनिमेशन फिल्म बन रही परिचय एनिमेशन स्टूडियो के द्वारा

निर्माता निर्देशक अंकित दे, ईपी अनूप दे की फ़िल्म में विख्यात वाइस ओवर आर्टिस्ट सोनल कौशल व संजय केनी की है आवाज़. भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में अब तरह तरह के नए प्रयोग किए जा रहे हैं। भारतीय एनिमेशन इंडस्ट्री में पहली अंडरवाटर एनिमेशन थीम वाली फीचर फिल्म "पानीलोक" बन रही है, जो एक नया नजरिया पेश करती है। परिचय एनिमेशन स्टूडियो द्वारा निर्मित की जा रही यह फ़िल्म अगले वर्ष रिलीज होगी। मुम्बई के मेट्रोपोलिस होटल में इस फ़िल्म की प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जहां फ़िल्म के निर्माता निर्देशक अंकित दे, सह निर्देशक दीपशिखा देका, एग्जेक्युटिव प्रोड्यूसर अनूप दे, वाइस ओवर आर्टिस्ट सोनल कौशल और संजय केनी मौजूद थे। इंसान की गतिविधियों की वजह से होने वाले गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में बात करते हुए, यह फ़िल्म एक छोटे बच्चे के खोजी दिमाग की सुंदरता को भी सामने लाती है क्योंकि यह बच्चा रोमांच की खोज करता है और पानी की दुनिया से परे क्या है, वह इस बात की तलाश करता है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि पर्यावरण प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित एक अंडरवाटर थीम पर बेस्ड फीचर फिल्म बन रही है। यह फिल्म हिंदी और अंग्रेजी में होगी और 2023 में दुनिया भर में रिलीज होगी। फ़िल्म से जुड़े अधिकतर लोग आसाम से सम्बन्ध रखते हैं। भारतीय एनीमेशन के विकास के बारे में बात करते हुए, परिचय एनिमेशन स्टूडियो के प्रमुख और फिल्म के निर्देशक अंकित दे ने बताया कि आज भारतीय निर्देशक और एनीमेशन हाउस विश्व स्तरीय फिल्मों का निर्माण करने में सक्षम हैं, पानीलोक बनाने के पीछे का विचार यह दिखाना था कि यह संभव है कि भारत में भी विश्व स्तरीय एनिमेशन फिल्म बनाई जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि, "भारतीय एनिमेशन इंडस्ट्री वास्तव में पिछले दशक में काफी विकसित हुई है। नई तकनीकों को अपनाने और रचनात्मक दिमाग के साथ काम करने की वजह से विश्व स्तर के एनीमेशन स्टूडियो की तुलना में हमारा सफर संभव हो पाया है।" गुणवत्ता के मामले में पानीलोक अन्य भारतीय एनीमेशन फिल्मों की तुलना में बहुत बेहतर है। हम एक बेंचमार्क स्थापित करना चाहते हैं और इस इंडस्ट्री में एक क्रांति लाना चाहते हैं। फिल्म की सह-निर्देशक दीपशिखा देका कहती हैं, "हमने इस फिल्म को इसलिए चुना क्योंकि यह कुछ ऐसा है जिसने हमारी दिलचस्पी तुरंत बढ़ा दी है। मैं अपने लेखकों द्वारा दी गई कहानी से प्रभावित हूं क्योंकि इसने मुझे यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर हमें अपने भारतीय एनिमेशन इंडस्ट्री के लिए कुछ बड़ा हासिल करना है तो हमें एक ऐसे कार्य को पूरा करने के लिए खुद को चुनौती देनी होगी जो हमारे लिए नया हो और जो इंडस्ट्री में एक क्रांति ला दे। डायरेक्टर अंकित दे ने बताया कि फ़िल्म का 40 प्रतिशत काम हो गया है। भरत सचदेवा वीएफएक्स के इंचार्ज हैं जबकि साउंड और म्युज़िक की जिम्मेदारी अविनाश ने संभाली है। फ़िल्म में 2 गाने भी हैं। सोनल कौशल ने बताया कि पानीलोक टाइटल ही इशारा देता है कि यह पानी के अंदर की दुनिया को दर्शाने वाली फिल्म है। मैंने इसमे कई किरदारों के लिए आवाज़ दी है और डबिंग करते हुए मैं खुद खूब एन्जॉय कर रही थी, इसलिए मुझे विश्वास है कि यह फ़िल्म बच्चों के साथ साथ बड़ों को भी खूब एंटरटेन करने वाली है। कई सीन ऐसे भी हैं कि मैं इमोशनल हो गई तो इस फ़िल्म में कॉमेडी, ड्रामा, इमोशन सबकुछ है।

संजय केनी ने कहा कि मैंने काफी एनिमेशन सीरीज की है मगर इस बार मुझे कुछ अलग करने का मौका मिला है। पानीलोक के जो मानवीय किरदार हैं मैंने उनकी आवाज़ निकाली है।

लेखक जैन गुप्ता ने कहा कि मैंने इस फ़िल्म की कहानी नितिन शर्मा के साथ मिलकर लिखी है। एनिमेशन फ़िल्म के लिए स्क्रिप्ट लिखना काफी मुश्किल होता है मगर हमने इसे काफी मनोरंजक रुप से पेश करने की कोशिश की है।

सोनल कौशल ने एक मछली की प्यारी आवाज़ में कुछ डायलॉग बोलकर सबका दिल जीत लिया वहीं संजय केनी ने मुन्ना और सर्किट की आवाज़ में डायलॉग बोला। यहां गेस्ट के रूप में दलजीत कौर भी मौजूद थीं जिन्होंने पानीलोक की पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दीं। पानीलोक फिल्म का प्रमोशन पूरे विश्व में अमर PR मीडिया ने संभाला है। इस प्रेस कांफ्रेंस के पीआर की जिम्मेदारी अमर और रमाकांत मुंडे (मुंडे मीडिया पीआर) ने बखूबी संभाली।

आसिम रियाज़ और संदीपा धार स्टारर एबी बंसल म्यूजिक का गीत 'अब किसे बर्बाद करोगे" हुआ भव्य रूप से लांच

बिग बॉस फेम आसिम रियाज़ और संदीपा धार की जोड़ी वाला लेटेस्ट गाना "अब किसे बर्बाद करोगे" एबी बंसल म्युज़िक द्वारा रिलीज कर दिया गया है जिसे श्रोताओं और दर्शकों का खूब अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सांग की भव्य लांचिंग पार्टी मुम्बई के सहारा स्टार होटल में रखी गई जहां अवधूत बाबा अरुण गिरी ,(Acharya) C L puchari जी मुख्य अतिथि के रुप मे मौजूद रहे। साथ ही यहां बॉलीवुड की कई हस्तियां aur VIP me Udaypur ke Raja bhim singh aur भी उपस्थित रहीं। अभय बंसल ने फूलों का हार पहनाकर sabhi guest ko sammanit kiya गुरु जी ने दीप प्रज्वलित कर के प्रोग्राम की शुरुआत की। अभय बंसल ने कहा कि गुरु जी के आशीर्वाद की वजह से हमारी म्युज़िक कंपनी की शुरुआत हुई है।यह एक सुहानी शाम थी, जहां संदीपा धार, सिंगर शादाब फरीदी, अल्तमश फरीदी, आसिफ फरीदी, अभिषेक निगम, सुनील पाल , anjali arora manshi naik ,सहित कई मेहमान मौजूद थे। इस मौके पर अभय बंसल का जन्मदिन भी मनाया गया।अभय बंसल ने बताया कि 16 साल की कम उम्र में उन्होंने बिज़नस की शुरुआत की। बॉलीवुड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री है, मैंने कई फील्ड में काम किया है, इस क्षेत्र में मैने काम नही किया था, इसलिए नए कलाकारो, संगीतकारों गायकों को काम देने के किए यह म्युज़िक कंपनी लांच की।बॉलीवुड के विख्यात सिंगर शादाब फरीदी ने अभय बंसल को शुभकामनाएं दीं और कहा कि मेरे छोटे भाई अल्तमश फरीदी ने इस गीत को गाया है, जबकि सबसे छोटे भाई आसिफ ने इसे कम्पोज़ किया है। शादाब फरीदी ने सलमान खान की फ़िल्म सुल्तान के लिए गाया हुआ अपना टाइटल सांग यहां स्टेज पर श्रोताओं के लिए गाया तो वहीं अल्तमश ने भी अपनी परफॉर्मेंस पेश की। आसिफ फरीदी ने भी अपनी गायकी के स्टाइल से समां बांध दिया।अभय बंसल ने यहां आए सभी मेहमानों को गुलदस्ता देकर उनका सम्मान किया। इस सांग को जब यहां दिखाया गया तो सभी ने गाने को पसन्द किया।आपको बता दें कि यह दिलों में हलचल मचा देने वाला ट्रैक है। सभी युवाओं को यह गाना आकर्षित कर रहा है। एबी बंसल म्युज़िक प्रेजेंट्स अल्तमश फरीदी की मधुर आवाज में गीत "अब किसे बर्बाद करोगे" में आसिम रियाज़ और संदीपा धार की केमिस्ट्री का जादू दिख रहा है, जिसे अक्षय के अग्रवाल द्वारा निर्देशित किया गया है और मुंबई की प्यारी लोकेशंस पर शूट किया गया है। "अब किसे बर्बाद करोगे" का जबर्दस्त वीडियो अभय बंसल द्वारा प्रोड्यूस किया गया है, जबकि को प्रोड्यूसर शायना सुनसारा हैं। संगीत आसिफ फरीदी का है और गीत के शब्द तनवीर गाज़ी ने लिखे हैं।डीओपी शिवम सिंह और क्रिएटिव प्रोड्यूसर शेख साजिद अली हैं। एबी बंसल ग्रुप के डायरेक्टर सार्थक बंसल हैं।प्रोड्यूसर अभय बंसल ने इस सांग लांच की पार्टी में आए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा kiya । यह गाना आज के युवाओं की मानसिकता और पार्टी कल्चर को दर्शाता है। अब किसे बर्बाद करोगे, दरअसल आजकल के प्यार और धोखे की कहानी है जिसे मंत्रमुग्ध कर देने वाले अंदाज में फ़िल्माया गया है।"ऐक्ट्रेस संदीपा धार ने कहा कि मैं अभय बंसल जी को शुक्रिया कहूँगी कि उन्होंने इतने अच्छे सांग को बनाया है। उनकी कम्पनी एबी बंसल म्युज़िक को ढेर सारी शुभकामनाएं।डायरेक्टर अक्षय के.अग्रवाल का मानना है कि, "यह गीत अल्तमश फरीदी ने दिल की गहराई से गाया है और आसिफ फरीदी का मेलोडियस संगीत दर्शकों को एक अलग ही दुनिया मे ले जाता है। अभय बंसल ने इसे दिल से प्रोड्यूस किया है।"गौरतलब है कि एबी बंसल म्युज़िक द्वारा जल्द ही कुछ और गाने भी रिलीज होने वाले हैं। जिनमे से एक गीत बांके बिहारी का टीज़र दिखाया गया जिसमें अभय बंसल भी एक्टिंग करते नजर आए। दूसरा गीत "पागल" का टीज़र दिखाया गया। एक गीत बुर्का के टीज़र में अभिषेक निगम और सना खान की झलक नजर आई।

सूरत बना राजनीति का केंद्र:शिवसेना के सात और विधायक सूरत आए, फिर गुवाहाटी के लिए रवाना हुए

महाराष्ट्र की राजनीति में चल रहे उथल-पुथल के बीच शिवसेना के और 7 विधायक सूरत आकर चार्टर्ड प्लेन से गुवाहाटी रवाना हुए। सूरत लगातार तीसरे दिन महाराष्ट्र की राजनीति का केंद्र बना रहा। बुधवार की रात और गुरुवार की सुबह महाराष्ट्र के शिवसेना के विधायक अलग-अलग मार्ग से सूरत पहुंचे थे। शिवसेना के बागी विधायक हवाई, रेलवे और सड़क मार्ग से होते हुए तीसरे दिन भी सूरत पहुंचे। तीन दिनों से लगातार शिवसेना के विधायक सूरत में इकट्ठा होकर हवाई मार्ग से गुवाहाटी रवाना हुए। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चा के अनुसार शिवसेना के बागी विधायक महाराष्ट्र से सीधे गुवाहाटी जाने से कतरा रहे हैं। सरकार की नजर में आने के बाद नजरबंद होने के डर से अलग-अलग रास्ते से सूरत आकर यहां के भाजपा नेताओं के मार्गदर्शन में गुवाहाटी रवाना हो रहे हैं। सूरत और गुवाहाटी दोनों शहर भाजपा शासित हैं, इसलिए शिवसेना विधायक निर्भीक होकर अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। रविंद्र फाटक बुधवार को विधायकों को मनाने सूरत आए थे। वह भी बागी हो गए। विधायकों को मनाने सूरत आए रविन्द्र फाटक भी बागी हो गए शिवसेना के बागी विधायकों को समझाने सूरत आए रविंद्र फाटक भी शिंदे गुट में शामिल हो गए। रविंद्र फाटक, दादा भुसे, संजय राठौड़ चार्टर्ड प्लेन से सीधे गुवाहाटी रवाना हो गए। बता दें, शिवसेना के बागी विधायक सोमवार को रात में ही सूरत आ गए थे। नाराज विधायकों को मनाने के लिए मिलिंद नार्वेकर और फाटक सूरत आए थे। उन्होंने सूरत में एकनाथ शिंदे से बात की थी। एक विधायक एंबुलेंस से सूरत आए और चार्टर्ड प्लेन में उड़ गए लगातार तीसरे दिन भी शिवसेना के विधायक बागी हो रहे हैं। गुरुवार को सुबह 7 विधायक सूरत एयरपोर्ट से विमान में सवार होकर गुवाहाटी रवाना हुए। बताया जाता है कि सभी विधायक अलग-अलग मार्ग से सूरत पहुंचे थे। एक विधायक को एंबुलेंस में सूरत लाया गया था। बागी विधायकों को गुवाहाटी ले जाने के लिए सूरत एयरपोर्ट को चार्टर्ड प्लेन को तैयार रखा गया था।

राजस्थान में मिशन 2023 के पहले लोगों को मिलेगी चुनावी सौगात, ट्रैक पर दौड़ेंगी 10 वंदे भारत ट्रेनें

राजस्थान के विधानसभा चुनावों में भले ही अभी वक्त हो, लेकिन कांग्रेस और भाजपा ने अभी से राज्य में चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में केंद्र सरकार भी अब प्रदेश को चुनावी सौगात देने के बहाने वोटबैंक को मजबूत करने में जुट गई है। इसी सिलसिले में रेल मंत्रालय राजस्थान के 10 अलग-अलग रूटों पर वंदेभारत ट्रेनों को चलाने की योजना तैयार कर रहा है। इनमें जयपुर-दिल्ली, जयपुर-जोधपुर, जयपुर-कोटा रूट शामिल हैं। जबकि सात अन्य रूट जल्द ही निर्धारित किए जाएंगे। इन रूट पर यात्रा केवल दो से ढाई घंटे में पूरी हो सकेगी। रेल मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इन ट्रेनों के ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बेहतर करने की कवायद भी शुरू कर दी गई है। साथ ही 200 नई वंदे भारत ट्रेनों के निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में दो नई वंदे भारत ट्रेन सेट का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। अगस्त महीने के अंत तक दोनों रैक बाहर जाएंगे। अगले साल 2023 तक 75 वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों के निर्माण का लक्ष्य रखा है। दो घंटे में पूरी होगी यात्रा जानकारों का कहना है कि वंदे भारत ट्रेन राजस्थान रूट पर सबसे पहले राजधानी को कनेक्ट करने वाली हो सकती है। जयपुर-दिल्ली रूट पर इस ट्रेन के चलने से प्रदेशवासियों को एक बड़ा फायदा होगा। व्यावसायिक गतिविधियों के लिए दिल्ली जाने वाले लोग महज दो घंटे में अपनी यात्रा पूरी कर लेंगे। वंदे भारत की अधिकतम रफ्तार 180 किमी, जबकि न्यूनतम रफ्तार 130 किमी प्रति घंटा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही उत्तर पश्चिम रेलवे को पांच रैक मिलने वाले हैं। यह सितंबर 2022 में आने शुरू होंगे जो कि अगस्त 2023 में पूरी तरह से पहुंच जाएंगे। वंदेभारत ट्रेन के लिए रखरखाव और मेंटेनेंस के लिए जयपुर, जोधपुर, गंगानगर में डिपो बनाने का काम जारी है। आटो ब्रेकिंग सिस्टम पर चलेगी कवच प्रणाली इधर, दिल्ली-वाराणसी और दिल्ली-कटरा वंदेभारत को भी अब कवच सेफ्टी प्रणाली में शामिल कर लिया गया है। इससे वंदे भारत ट्रेनों को रेड सिग्नल पार न करने, तय स्पीड से ज्यादा पर ट्रेन नहीं चलाने और ट्रेनों के आमने-सामने टकराने वाली दुर्घटनाओं की संभावना को रोकने में मदद मिलेगी। कवच तकनीक सैटेलाइट द्वारा रेडियो कम्युनिकेशन के माध्यम से लोकोमोटिव और स्टेशनों में आपसी समन्वय बनाती हैं, जिससे लोको पायलट को जहां एक और आगे वाले सिग्नलों की स्थिति के बारे में पता चलता है।

इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि अगले तीन सालों में 400 वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन बनाने की योजना है। भारतीय रेलवे ने हाल ही में 200 स्लीपर वंदेभारत एक्सप्रेस के लिए टेंडर जारी किया है, तो वहीं 100 से अधिक चेयर वाली ट्रेन का टेंडर जारी करने पर काम कर रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल पंद्रह अगस्त को लाल किला से एलान किया था कि आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर 75 सप्ताह में 75 शहरों को जोड़ने वाली 75 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी। पीएम के इस एलान के बाद पहली वंदे भारत ट्रेन इसी साल दिसंबर में बन कर तैयार होने की उम्मीद है।

मोदी को मिली क्लीन चिट बरकरार:गुजरात दंगों में सुप्रीम कोर्ट ने जकिया की याचिका खारिज की, BJP बोली- लेफ्ट गैंग पीछे पड़ा था

2002 गुजरात दंगों में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट देने वाली SIT रिपोर्ट के खिलाफ याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। यह याचिका जकिया जाफरी ने दाखिल की थी। जकिया जाफरी के पति एहसान जाफरी की इन दंगों में मौत हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जकिया की याचिका में मेरिट नहीं है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि P M मोदी के खिलाफ जो ईकोसिस्टम चल रहा था, उसे झटका लगा है। PM के पीछे लेफ्ट गैंग पड़ा था। कांग्रेस और कुछ पार्टियों की मदद से अपनी दुकान चलाने वालों को आज झटका लगा है, सच देश के सामने है। जकिया ने मजिस्ट्रेट के आदेश को दी थी चुनौती 72 साल के एहसान जाफरी कांग्रेस नेता और सांसद थे। उन्हें उत्तरी अहमदाबाद में गुलबर्ग सोसाइटी के उनके घर से निकालकर गुस्साई भीड़ ने मार डाला था। जकिया ने दंगे की साजिश के मामले में मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी थी। मजिस्ट्रेट ने SIT की उस क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया था, जिसमें तत्कालीन CM नरेंद्र मोदी समेत 63 लोगों को दंगों की साजिश रचने के आरोप से आजाद किया गया था। हाईकोर्ट भी इस फैसले को सही करार दे चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2021 में फैसला सुरक्षित रखा यह मामला जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने सुना। सुप्रीम कोर्ट ने जकिया की याचिका पर सिर्फ 14 दिन में सुनवाई पूरी की और 9 दिसंबर 2021 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, SIT की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी और गुजरात की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें दीं।

सिब्बल की दलील- अहम पहलुओं को नजरअंदाज किया गया इसे केस में याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि SIT ने मामले के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जांच नहीं की। इससे साबित होता कि पुलिस इस केस में एक्टिव नहीं रही। सिब्बल ने यह भी कहा कि SIT ने जिस तरह जांच की उससे लगता है कि वह कुछ छिपाने की कोशिश कर रही है। SIT की दलील- हमने अपना काम किया SIT के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा- किसी को नहीं बचाया गया और पूरी छानबीन गहराई से हुई है। कुल 275 लोगों से पूछताछ हुई। कोई ऐसा सबूत नहीं मिला जिससे साजिश की बात साबित होती हो। जकिया ने हत्या का केस दर्ज करने की मांग की थीगुजरात दंगों के बाद जकिया ने 2006 में राज्य के DGP (पुलिस महानिदेशक) के सामने नरेंद्र मोदी, कई अफसरों और नेताओं के खिलाफ शिकायत की थी। जकिया की मांग थी कि इन लोगों के खिलाफ हत्या समेत कई अन्य धाराओं में FIR दर्ज की जाए। तब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। सुप्रीम कोर्ट ने SIT गठित की थी 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने SIT का गठन किया। उसे इस मामले में हुईं तमाम सुनवाइयों पर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। बाद में जकिया की शिकायत की जांच भी SIT को सौंपी गई। SIT ने मोदी को क्लीन चिट दी और 2011 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर SIT ने मजिस्ट्रेट को क्लोजर रिपोर्ट सौंपी। 2013 में जकिया ने क्लोजर रिपोर्ट का विरोध करते हुए मजिस्ट्रेट के सामने याचिका दायर की। मजिस्ट्रेट ने यह याचिका खारिज कर दी। इसके बाद जाकिया ने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने 2017 में मजिस्ट्रेट का फैसला बरकरार रखा। तब जकिया ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। गोधरा कांड के बाद 2002 में गुजरात में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। उपद्रवियों ने पूर्वी अहमदाबाद स्थित अल्पसंख्यक समुदाय की बस्ती 'गुलबर्ग सोसाइटी' को निशाना बनाया था। इसमें पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी सहित 69 लोग मारे गए थे। इनमें से 38 लोगों के शव बरामद हुए थे, जबकि जाफरी सहित 31 लोगों को लापता बताया गया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- SIT ने गुजरात के उस समय के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को 9 घण्टे तक इंटेरोगेट किया, लेकिन एक दिन भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध नहीं किया।

SPORTS खेल जगत

राष्ट्रमंडल खेलों में भी सविता करेंगी कप्तानी

ग्रेस एक्का को टीम की उपकप्तानी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बर्मिंघम में 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी गोलकीपर सविता करेंगी, जबकि ग्रेस एक्का को टीम की उपकप्तानी सौंपी गयी है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारत को पूल-ए में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ रखा गया है। भारत का पहला मुकाबला 29 जुलाई को घाना के विरुद्ध होगा। हॉकी इंडिया ने बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिये घोषित 18 सदस्यीय स्क्वाड में सविता के साथ रजनी एटीमारपू को बतौर गोलकीपर शामिल किया गया है। दीप ग्रेस एक्का के साथ डिफेंडर गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता को टीम में जगह दी गयी है।

मिडफील्डर निशा, सुशीला चानू पुखरमबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर और सलिमा टेटे को भी बर्मिंघम के लिये चुना गया है। फॉर्वर्डलाइन में अनुभवी वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर, शर्मीला देवी और युवा संगीता कुमारी को टीम का हिस्सा बनाया गया है। चोट के कारण रिहैब से गुजर रहीं रानी रामपाल को राष्ट्रमंडल खेलों के लिये नहीं चुना गया। रानी की अनुपस्थिति में सविता दोनों प्रतियोगिताओं में टीम की कप्तानी करेंगी। गोल्ड कोस्ट में हुए पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिलाओं ने चौथा स्थान हासिल किया था। कोच जैनेके शॉपमैन ने कहा, हमने राष्ट्रमंडल खेलों के लिये एक अनुभवी टीम चुनी है और खिलाड़ियों को लगता है कि वे इस बार पदक जीत सकते हैं। शॉपमैन ने कहा, एफआईएच विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों के बीच सिर्फ 10 दिनों का अंतर है इसलिये हमारे लिये जरूरी था कि हम एक फिट टीम का चयन करें।

रणजी: मध्य प्रदेश का ठोस जवाब

दूसरा दिन: सरफराज के शतक की बदौलत मुंबई के 374 रन

बेंगलुरु। सरफराज खान (134) के शतक की बदौलत मुंबई के 374 रन बनाने के बाद मध्य प्रदेश ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन के अंत तक एक विकेट के नुकसान पर 123 रन बना लिये। मुंबई के लिये दूसरे दिन की शुरुआत करते हुए सरफराज ने मध्य प्रदेश को सरफराज शो दिखाया। सरफराज 134 पर आउट होने वाले मुंबई के आखिरी बल्लेबाज थे, लेकिन तब तक उन्होने अपना काम पूरा कर दिया था। एक तरफ जहां मुंबई के अन्य बल्लेबाज एमपी की फिरकी के आगे बेअसर नजर आये, वहीं सरफराज ने मोर्चा संभालते हुए रणजी के इस सत्र का चौथा शतक जड़ा। सरफराज ने 243 गेंदें खेलकर 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 134 रन बनाये। सरफराज के अलावा शम्स मुलानी ने 12, तनुष कोटियान ने 15, तुषार देशपांडे ने छह और मोहित अवस्थी ने सात रन बनाये। मध्य प्रदेश की ओर से सबसे सफल गेंदबाज गौरव यादव रहे जिन्होंने 35.4 ओवर में 106 रन देकर सरफराज खान के बहुमूल्य विकेट सहित चार विकेट झटके। इसके अलावा अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिया। मुंबई के 374 रन का जवाब देने उतरी मध्य प्रदेश को हिमांशु मंत्री और यश दूबे ने अच्छी शुरुआत दिलायी। दोनों के बीच 47 रन की साझेदारी हुई। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने अपना समय लिया, लेकिन इस सीजन के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज शम्स मुलानी के आते ही हिमांशु ने अपने हाथ खोले। हिमांशु ने मुलानी के दूसरे ओवर में दो छक्के जड़कर पारी का गियर बदला। मुलानी ने दिन के अपने 11 ओवर में 46 रन दिये। हिमांशु 49 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों सहित 31 रन बनाकर लय में दिख रहे थे मगर तुषार देशपांडे ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर मुंबई को पहली सफलता दिलायी।

दूसरे विकेट के लिए अब तक 76 रन की साझेदारी

तीसरे नंबर पर आये शुभम शर्मा ने सलामी बल्लेबाज यश दूबे के साथ 76 रन की साझेदारी कर ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक मध्य प्रदेश ने 123/1 रन बना लिये हैं। यश 131 गेंदों पर 44 रन (छह चौके) बनाकर खेल रहे हैं जबकि शुभम ने 65 गेंदों पर 41 रन (छह चौके) बना लिये हैं। पहले सत्र में सरफ़राज़ शो के बाद जहां मध्य प्रदेश पिछड़ी हुई लग रही थी, वहीं उन्होंने सूझ-बूझ के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए दूसरे दिन सिर्फ एक विकेट गंवाया। दूसरे दिन के अंत तक मध्य प्रदेश 251 रन से पिछड़ी हुई है, मगर उनके पास नौ विकेट भी बाकी हैं, जो मुंबई के लिये चिंता का विषय है।

सरफराज ने अब्बू से किया वादा निभाया

इस सीजन से पहले सरफराजा के अब्बू नौशाद खान ने उनसे मयंक की तरह फिर से सीजन बनाने को कहा था। मयंक की तरह से मतलब जिस तरह से 2017-18 सीजन में बड़े-बड़े शतक लगाकर कर्नाटक के मयंक अग्रवाल ने टीम इंडिया में जगह बनाई थी, कुछ उस तरह ही। सरफराज ने अपने अब्बू से किया गया वह वादा पूरा किया है। लेकिन सरफराज का यह प्रदर्शन और भी विशेष है क्योंकि मयंक सलामी बल्लेबाजी करते हैं, जहां उनके पास बल्लेबाजी करने का पर्याप्त मौका होता है। वहीं सरफराज मध्य क्रम में नंबर पांच पर आते हैं, जहां पर कभी-कभी तो बल्लेबाजी के भरपूर मौके होते हैं लेकिन कभी-कभी उन्हें पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ पारी को संभालना होता है।

सरफराज ने लड़खड़ाती मुंबई को सीजन का चौथा शतक ठोक संभाला

इससे पहले सरफराज ने इस रणजी सीजन का चौथा शतक बनाया। इसके बाद वह पवेलियन की ओर बल्ला दिखाते हुए थोड़ा भावुक भी हुए। यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सरफराज का आठवां शतक था, जिसमें से वह सिर्फ दो में ही 150 का आंकड़ा छू नहीं पाए हैं। लेकिन इसे सरफराज के अब तक के करियर का सबसे महत्वपूर्ण शतक कहा जा सकता है क्योंकि यह तब आया जब मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के सामने मुंबई का मध्यक्रम लड़खड़ाता हुआ दिख रहा था। इस पारी के दौरान भी मुंबई 248 रन पर छह विकेट खोकर बैकफुट पर ही थी, लेकिन सरफराज ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ पारी को संभाला और ना सिर्फ अपना शतक पूरा किया बल्कि अपनी टीम को 374 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। 2019-20 के पिछले रणजी सीजन में सरफराज ने नौ पारियों में 928 रन बनाए थे। इस सीजन में भी वह आठ पारियों में 133.85 के औसत के साथ 937 रन बना चुके हैं। कम से कम 2000 प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले बल्लेबाजों में उनका औसत (82) सिर्फ सर डॉन ब्रैडमेन से ही कम है।

महिला टीम ने श्रीलंका को हराया, 34 रन से जीता मुकाबला

दाम्बुला। भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका से पहला टी 20 मैच गुरूवार को 34 रनों से जीत लिया और तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। भारतीय टीम ने यहां पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया था। भारत ने शुरुआत में जल्दी विकेट गंवा दिए, लेकिन शेफाली वर्मा के 31, जेमिमाह रोड्रिग्स के नाबाद 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर के 22 की बदौलत भारतीय टीम ने संतोषजनक छह विकेट पर 138 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद भारतीय स्पिनरों के आगे श्रीलंका बल्लेबाजों की एक नहीं चल सकी और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 104 रन ही बना सकी। श्रीलंका की ओर से केवल कविशा दिलहारी ही सबसे ज्यादा नाबाद 47 रन बना सकी। भारत की ओर से राधा यादव ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। भारतीय गेंदबाज़ी में यह ख़ास बात रही कि उन्होंने एक भी नो बॉल और वाइड बॉल नहीं की।

जबूर के चोटिल होने से सेरेना विलियम्स का अभियान समाप्त

ईस्टबोर्न। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स को अपनी युगल जोड़ीदार ओन्स जबूर के चोटिल होने के कारण ईस्टबोर्न में रोथसे इंटरनेशनल से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। डब्ल्यूटीए ने गुरुवार को कहा कि जबूर की चोट के कारण वे ईस्टबॉर्न में ग्रास कोर्ट इवेंट से हट गए। जबूर की चोट की गंभीरता के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। पिछले साल विंबलडन में चोटिल होने के बाद से दौरे पर अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रही 40 वर्षीय सेरेना ने पहली बार एकल विश्व नंबर 3 जबूर के साथ जोड़ी बनाकर विजयी जोड़ी पाई थी। इस आयोजन में अब तक दो मैच जीतने के बाद उन्हें सेमीफाइनल में मैग्डा लिनेट और एलेक्जेंड्रा क्रुनिक के खिलाफ खेलना था। अमेरिकी और ट्यूनीशियाई जोड़ीदार ने शुको आओयामा और चान हाओ-चिंग के खिलाफसीधे सेटों में जीत से पहले मारिया बुजकोवा और सारा सोरिब्स टोरमो पर एक करीबी जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेरेना अब विंबलडन पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जहां उन्होंने रिकॉर्ड 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए महिला एकल में वाइल्ड कार्ड एंट्री स्वीकार की है।

देश परदेश

श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिला भारतीय प्रतिनिधिमंडल

भारत ने श्रीलंका को हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

कोलंबो, (एजेंसी)। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा के नेतृत्व में भारत के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और कहा कि भारत श्रीलंका को उसके सबसे खराब आर्थिक संकट से उबरने में हरसंभव मदद करने के लिए तैयार है।

श्री क्वात्रा के साथ वित्त मंत्रालय के सचिव अजय सेठ, केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन और विदेश मंत्रालय के हिंद महासागर क्षेत्र में संयुक्त सचिव कार्तिक पांडे भी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा कि श्री क्वात्रा ने बातचीत के दौरान जोर देते हुए कहा कि भारत निवेश और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देकर और आर्थिक संबंधों को मजबूत करके श्रीलंका को उसके सबसे खराब आर्थिक संकट से जल्दी से उबरने में हरसंभव मदद करने के लिए तैयार है। श्री बागची के अनुसार भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने श्रीलंका की मौजूदा स्थिति और भारत की ओर से मदद करने उपयोगी चर्चा की। चर्चा के दौरान भारत ने जोर देते हुए कहा कि भारत निवेश, संपर्क को बढ़ावा देने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के माध्यम से श्रीलंका को त्वरित आर्थिक सुधार के लिए मदद करने के लिए तत्पर है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति में श्रीलंका की जरूरत पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने भारत-श्रीलंका संबंधों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया है। प्रतिनिधिमंडल ने ईंधन, दवा, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुओं के मामले में पहले से प्रदान की गई सहायता की समीक्षा की और कहा कि भारत श्रीलंका की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति गोतबाया ने अपने देश को प्रदान की गई सहायता के लिए भारत सरकार और भारतीय लोगों को धन्यवाद दिया, जो मौजूदा समय में आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा की कमी के कारण आवश्यक वस्तुओं की व्यापक कमी से जूझ रहा है।

बुधवार को प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने श्रीलंकाई संसद को बताया कि भारत से एक उच्च स्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल संभावित और ऋण सहायता पर चर्चा के लिए श्रीलंका की यात्रा पर आ रहा है। उन्होंने कहा, हमें अब तक भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत चार अरब अमेरिकी डॉलर तक प्राप्त हुए हैं। अधिक क्रेडिट का अनुरोध किया गया है, लेकिन भारत हमें कर्ज नहीं दे सकता। आखिरकार सहायता की भी एक सीमा होती है। श्रीलंकाई सेंट्रल बैंक के पूर्व गवर्नर इंद्रजीत कुमारस्वामी ने जून की शुरुआत में कहा था कि श्रीलंका को भारत से 'ब्रिज फाइनेंसिंग' के तहत छह अरब डॉलर तक मिल सकता है। विदेश सचिव क्वात्रा और भारत सरकार के अन्य अधिकारी नई दिल्ली से एक विशेष उड़ान से श्रीलंका पहुंचे।

आय से अधिक संपत्ति मामले में आईएएस यादव गिरफ्तार

पूछताछ में बोले, मेरी पत्नी को ज्यादा जानकारी

देहरादून, (एजेंसी)। आय से अधिक संपत्ति के मामले में विजिलेंस दफ्तर में आईएएस रामविलास यादव से अधिकारियों ने सवाल पूछे, तो उन्होंने किसी का भी वाजिब जवाब नहीं दिया। सूची 30 सवालों की थी, लेकिन इनमें सवाल पर सवाल निकलते गए और संख्या 300 पहुंच गई। यादव ने इनमें से ज्यादातर पर कहा कि बाद में उत्तर देंगे। यही नहीं, बहुत से सवालों को उन्होंने पत्नी पर टाल दिया। वह उत्तराखंड में समाज कल्याण विभाग में अपर सचिव पद पर तैनात थे। यादव ने कहा कि संपत्ति, बैंक लॉकर, लेनदेन आदि के बारे में पत्नी बता सकती हैं। दरअसल, हाईकोर्ट के आदेश के बाद बुधवार को आईएएस रामविलास यादव विजिलेंस ऑफिस पहुंचे थे। यहां विवेचना अधिकारियों ने करीब 13 घंटे पूछताछ की। इसके बाद देर रात करीब सवा दो बजे गिरफ्तार कर लिया गया। विजिलेंस निदेशक अमित सिन्हा ने पत्रकारों को बताया किउनकी पैतृक संपत्ति, एफडी, बैंक खातों, फ्लैट, बेटी के खातों आदि के बारे में जानकारी लेनी थी, लेकिन उन्होंने शुरुआत से ही विवेचना अधिकारियों को उलझाना शुरू कर दिया।

ईडी ने रुजिरा से कोयला तस्करी के संबंध में की छह घंटे पूछताछ

कोलकाता, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा से कोयला तस्करी के मामले में पूछताछ की। रूजिरा को सुबह करीब 11 बजे एक कार से निकलकर सीजीओ स्थित ईडी कार्यालय में प्रवेश करते देखा गया। उन्हें जांच अधिकारियों ने कोयला तस्करी मामले में पेश होने के लिए बुलाया गया था। उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया था कि अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी से पूछताछ कोलकाता और दिल्ली में नहीं की जाये। ईडी अधिकारियों की टीम दिल्ली से रुजिरा बनर्जी से पूछताछ करने यहां पहुंची। सूत्रों के हवाले से ईडी टीम में दो महिला अधिकारियों ने रुजिरा से पूछताछ की।

रितेश की मराठी फिल्म वेद में कैमियो रोल में नजर आएंगे सलमान

एक्टर रितेश देशमुख जल्द ही अपनी अपकमिंग मराठी फिल्म वेद से डायरेक्टोरियल डेब्यू करने जा रहे हैं। रितेश की इस फिल्म में उनकी पत्नी जेनेलिया डिसूजा लीड रोल में नजर आने वाली हैं। उनका भी इस फिल्म से मराठी इंडस्ट्री में डेब्यू होगा। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म में सलमान खान की भी एंट्री हो गई है। सलमान फिल्म के एक स्पेशल गाने में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग वे जल्द ही शुरू करेंगे।

आपकी शुभकामनाएं और आशीर्वाद मांगता हूं- रितेश देशमुख

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान फिलहाल हैदराबाद में भाईजान की शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन वह इस गाने की शूटिंग के लिए कुछ समय के लिए मुंबई लौट आएंगे। इस प्रोजेक्ट के बारे में रितेश ने एक इंटरव्यू में कहा था, 20 साल तक कैमरे के सामने रहने के बाद, मैं पहली बार इसके पीछे खड़े होने के लिए एक बड़ी छलांग लगा रहा हूं। जैसा कि मैं अपनी पहली मराठी फिल्म का डायरेक्शन कर रहा हूं। मैं विनम्रतापूर्वक आप सभी से आपकी शुभकामनाएं और आशीर्वाद मांगता हूं। इस यात्रा का हिस्सा बनो, इस पागलपन का हिस्सा बनो। वहीं जेनेलिया ने कहा था, इतनी भाषाओं में फिल्मों का हिस्सा बनने और सभी से प्यार और सम्मान प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। महाराष्ट्र में पैदा होने के कारण, मेरा दिल सालों से मराठी में एक फिल्म करने के लिए तरस रहा था और उम्मीद कर रही थी कि एक ऐसी स्क्रिप्ट होगी, जहां मैं बस इतना कह सकूं कि बस यही है.. और फिर ऐसा हुआ। बता दें कि वेद से जेनेलिया सालों बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में जेनेलिया के साथ जीया शंकर भी लीड रोल में हैं। मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल इस फिल्म में म्यूजिक देंगे। इस फिल्म को 12 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

बॉलिवुड -साउथ की बहस पर बोले वरुण धवन- क्या फर्क पड़ता है आखिर इंडियन सिनेमा ही चल रहा है ना

बॉलिवुड ऐक्टर वरुण धवन की फिल्म जुग जुग जियो जल्द ही सिनेमाघरें में रिलीज होने वाली है। करण जौहर के प्रॉडक्शन तले बनी इस फिल्म में वरुण के अलावा कियारा आडवाणी, अनिल कपूर, नीतू कपूर और मनीष पॉल मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। वरुण ने फिल्म के अलावा कई मुद्दों पर खुलकर बात की है।

हाल ही में आपने अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए मेट्रो का सफर तय किया, मुंबई का फेमस वड़ा पाव खाया। मगर स्टार बनने के पहले आप कब ट्रेन से सफर किया करते थे?

मैं ही क्यों, मेरे पिता डेविड धवन ने भी ट्रेन का सफर तय कर करके आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। मुझे याद है मेरा कॉलेज चर्चगेट (एचआर कॉलेज) में था और मैं सांताक्रुज से रोजाना चर्चगेट ट्रेन से जाया करता था। मेरे लिए लोकल की की यात्रा करना बड़ी बात या अलग नहीं है। मुझे लगता है मुंबई की 90 पर्सेंट पब्लिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ही सफर करती है। मुझे तो ट्रेन से ट्रेवल करने में काफी मजा आता था।

इस फिल्म में आपको अनिल कपूर और नीतू सिंह जैसे दिग्गज कलाकारों का साथ मिला?

ये तो मेरा सौभाग्य है कि मुझे इन सीनियर कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं और हमेशा से ख्वाहिश थी कि इनके साथ कोई अच्छी-सी फिल्म करूं। मैं चाहता था कि ऐसा रोल हो जहां एक्टर्स की टक्कर हो, तालमेल हो। एक केमेस्ट्री दिखे और वो इस फिल्म में है। इसमें हम बाप-बेटे की भूमिका में हैं, मगर फिल्म में हमारा रिश्ता दोस्ताना है। मेरे पिता बने अनिल कपूर मिडलाइफ क्राइसिस से गुजर रहे हैं, तो वे ऐसे बातें करते हैं, जैसे 16 साल के हों, तो इस किरदार में काफी खेलने मिला है। नीतू मैम से मां जैसा रिश्ता है। वे मेरी मां की प्रिय सहेली हैं, तो मैं उनके काफी करीब रहा हूं। वे मुझे बच्चे की तरह ही देखती हैं। मैं आलिया के साथ इतना काम कर चुका हूं, रणबीर को इतना अच्छे से जानता हूं, तो वे मुझे काफी पसंद करती हैं। असल में वे मुझे नॉटी समझती हैं और नटखट कहती हैं, तो पर्दे पर मां-बेटे का वो रिश्ता काफी सहजता से आया। कियारा मेरी मां की फेवरेट रही हैं, तो उनके साथ भी काम करने का मौका मिला। मैं इतना कह सकता हूं कि फिल्म इतनी अच्छी बनी है कि आज मुझे मौका मिले तो मैं आपको थिएटर में दिखा दूं। हम लोग फिल्म को लेकर आश्वस्त हैं कि फिल्म में दम है।

यहां हमारी हिंदी फिल्में कुछ अरसे से बॉक्स ऑफिस पर अच्छा नहीं कर पा रही हैं, और वहां पैन इंडिया फिल्मों को लेकर बहस छिड़ी हुई है।

मैं तो यही कहना चाहूंगा कि हमारी ही नहीं किसी की भी फिल्में नहीं चल रही हैं। तमिल सिनेमा में विक्रम अभी चली है। बाहुबली 2 का रिकॉर्ड अभी टूटा है। केजीएफ 2 कन्नड़ फिल्म है, वो चली है। आरआरआर तेलुगु फिल्म है, वो चली है। अगर कोई इंडस्ट्री अच्छा कर रही है, तो वो है मराठी इंडस्ट्री। उनकी पावनखिंड और धर्मवीर देख लो। बहुत अच्छी चली हैं। आज ऑडियंस के पास काफी ऑप्शन हैं, वे चाहें तो धर्मवीर देखें या फिर केजीएफ 2 फिल्में चल रही हैं, मगर किसी एक इंडस्ट्री की नहीं। अब ऑडियंस का पेट तो भर जा रहा है, एक तरफ टॉप गन आ गई, तो दूसरी तरफ भूल भुलैया चल गई। सिनेमा तो चल ही रहा है और हम सभी अंतत: सिनेमा के लिए ही तो काम करते हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की फिल्में चल रही हैं। अब पैन इंडिया फिल्म इंडस्ट्री को लेकर जो बहस चली, वो होना भी जरूरी था। तभी तो हम ये समझ पाए कि हमारा दिमाग कितना छोटा है, जो हम इतनी छोटी बात पर बहस कर रहे हैं। हम सभी एक ही इंडस्ट्री हैं। पूरा देश ही मेरा है। मुझे हर जगह उतना ही प्यार मिलता है। जब टीम इंडिया के लिए खेलती है, तो कैसा जज्बा होता है, तो वही हम सभी एक ही इंडस्ट्री हैं।

पिता डेविड धवन के साथ अब आपका रिश्ता कितना इवॉल्व हुआ है?

सच कहूं, तो मेरे पिताजी के साथ मेरा रिश्ता सही ढंग से पनपा ही तब जब मैं अभिनेता बना। वो जिस संघर्ष से गुजरे हैं, उसमें वे मेहनत और लगन से काम करने वाले की बहुत इज्जत करते हैं। वे उसे पसंद नहीं करते, जो अपने काम को सही ढंग से नहीं करते। चाहे, वो उसका कितना भी बड़ा सगा ही क्यों न हो? मैं घर में उनसे अपने काम को डिस्कस करता हूं। बड़े भाई (निर्देशक रोहित धवन) और मां से भी अपने काम की चर्चा करता हूं। मेरी यह फिल्म भारतीय मूल्यों पर आधारित है, इसलिए उन्होंने ये फिल्म देखी। उनको फिल्म बहुत पसंद आई। असल में फिल्म में उनके पहले हीरो अनिल कपूर भी तो हैं। अनिल सर भी फिल्म देख चुके हैं और पापा और अनिल सर में फिल्म को लेकर बात भी हुई है।

एक जिम्मेदार यूथ होने के नाते आपकी सबसे बड़ी चिंता क्या रहती है?

मेरी सबसे बड़ी चिंता है, मेरे माता-पिता और उनकी सेहत। मैं तो हर बेटा-बेटी से कहना चाहूंगा कि अपने माता-पिता को प्यार दो, उनका खयाल रखो। आज हम देख रहे हैं कि जिंदगी काफी अनप्रेडिक्टेबल हो गई है। एक-दूसरे से झगड़ो मत, न ही दोषारोपण करो। जैकी सर (अभिनेता जैकी श्रॉफ) हमेशा कहते हैं कि अपने इर्दगिर्द अच्छी एनर्जी रखो। वे हमेशा मुझे बहुत खुश और सकारात्मक लगते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्मकार करण जौहर ने आपको पैंपर करते हुए कहा कि कभी आप उनके पिता बन जाते हैं, कभी बेटे, तो कभी दोस्त? आपकी उनके साथ किस तरह की बॉन्डिंग है?

उनके तमाम बच्चों में से मैं ही हूं, जो उनको डांट लगा सकता है। मुझे नहीं लगता कि आलिया उनको डांट लगा सकती है, क्योंकि वो उनकी बच्ची की तरह है और सिड (सिद्धार्थ मल्होत्रा) उनके दोस्त की तरह है। मेरा ऐसा है कि बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और फिर वो बाप को डांट लगाता रहता है।

ट्रोल्स को कैसे हैंडल करते हैं? हाल ही में आपकी ही फिल्म के गाने दुपट्टा काफी ट्रोल हुआ?

मैं तो उनकी तरफ ध्यान ही नहीं देता। अब तो ये सब मेरे लिए पुराना हो गया है। पेंडेमिक के पहले ये सब नया-नया था और असर भी करता था, मगर फिर इतना ज्यादा हुआ कि अति हो गई। असल में हम सब इतने उदास थे कि वो उदासी और फ्रस्ट्रेशन कहीं न कहीं निकलनी ही थी। हम कहां निकालते? सोशल मीडिया जैसी एक जगह मिल गई, तो अब लोग उसे वहीं निकालते हैं।

अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने अपने रिजेक्शन को लेकर किया खुलासा

हिंदी सिनेमा के जाने माने अभिनेता गायक अपारशक्ति खुराना ने अपने रिजेक्शन को लेकर खुलासे किया। उन्होंने कहा कि यह रिजेक्शन टेलीविजन पर वाशिंग मशीन बेचने के ऑडिशन को लेकर था। अभिनेता अपारशक्ति ने हाल ही में एक मजेदार घटना के बारे में पोडकास्ट पर बात की। एक बार उन्हें अस्वीकार कर दिया गया था जब वह एक टेलीशॉपिंग नेटवर्क के ऑडिशन के लिए गए थे। अभिनेता ने कहा, मेरे माता-पिता भी यह नहीं जानते हैं। लेकिन मुझे एक टेलीविजन शॉपिंग नेटवर्क ने उच्च पिच और शीर्ष ऊर्जा के कारण खारिज कर दिया था। मुझे एक वॉशिंग मशीन बेचनी पड़ी थी! मुझे लगता है कि मैं इसके लिए तैयार नहीं था। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अपारशक्ति अगली बार एक क्राइम थ्रिलर बर्लिन में दिखाई देंगे। वह एक मूक-बधिर दुभाषिया की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस एक्शन थ्रिलर का निर्माण जी स्टूडियोज, अतुल सभरवाल और मानव श्रीवास्तव ने यिप्पी की या मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया है।

स्त्री 2 के लिए श्रद्धा कपूर फाइनल?

फिल्म स्त्री की जबरदस्त सक्सेस के बाद प्रोड्यूसर दिनेश विजान ने रूही और भेड़िया जैसी फिल्मों पर दाव लगाया। गौर करें की बात ये रही है कि वह ज्यादातर हॉरर फिल्मों के इर्द-गिर्द ही रहे हैं। अब खबर है कि दिनेश ने स्त्री का प्रीक्वल बनाने का फैसला किया है। साल 2018 में आई ये हॉरर कॉमेडी फिल्म दर्शकों का दिल जीत पाने में पूरी तरह कामयाब साबित हुई थी।

श्रद्धा कपूर को कर लिया गया फाइनल?

फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना और पंकज त्रिपाठी जैसे दिग्गज कलाकार नजर आए थे। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे लेकिन दिनेश इस फिल्म के बाद दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ मुड़ गए। अब कहा जा रहा है कि दिनेश ने स्त्री का प्रीक्वल बनाने का फैसला किया है। ये फिल्म साल 2018 में आई फिल्म की कहानी को थोड़ा पीछे की तरफ ले जाएगी। खबर ये भी है कि इस फिल्म के लिए मेकर्स ने श्रद्धा कपूर को फाइनल भी कर लिया है। फिल्म में उस लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो बाद में स्त्री बन जाती है और उसके साथ ऐसा क्या हुआ था जो वह लोगों के साथ इस तरह की चीजें करती हैं।

श्रद्धा कपूर के पास हैं ये बड़े प्रोजेक्ट्स

करेंट वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर अभी लव रंजन की एक अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं जिसके नाम का ऐलान अभी तक नहीं किया गया है। इस फिल्म की रिलीज डेट 8 मार्च 2023 रखी गई है। इसके अलावा श्रद्धा कपूर की झोली में विशाल फ्यूरिया की फिल्म नागिन भी है। तो ऐसे में देखना होगा कि वह डेट्स किस तरह एडजस्ट करती हैं।

सम्राट पृथ्वीराज बनने के बाद अब एयरफोर्स की कहानी लेकर आएंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार साल भर में कई फिल्में कर लेते हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वह 365 में से 300 दिन तो शूटिंग ही करते रहते हैं। अक्षय की आखिरी फिल्म सम्राट पृथ्वीराज बुरी तरह से फ्लॉप होने के बाद आज एक्टर फिल्म रक्षा बंधन का ट्रेलर लेकर आ रहे हैं। उनकी ये फिल्म अगस्त में रिलीज होगी। इसके साथ ही एक्टर ने एक और फिल्म साइन कर ली है। जी हां, अक्षय कुमार अब इंडियन एयरफोर्स की कहानी सिनेमाघरों में लेकर आएंगे। उन्होंने बॉलीवुड के एक हिट डायरेक्टर के साथ हाथ मिला लिया है।

एयरफोर्स ऑफिसर बनेंगे अक्षय

डायरेक्टर दिनेश विजन के साथ अक्षय कुमार ने काम करने के लिए हामी भर दी है और दोनों मिलकर इंडियन एयरफोर्स की कहानी पर काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग साल 2023 में शुरू होगी और साल 2024 में इसे रिलीज किया जायेगा। अब तक लीड एक्टर के तौर पर अक्षय का नाम ही सामने आया है। इसके अलावा बाकि स्टारकास्ट को भी जल्द ही तय किया जायेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में अक्षय कुमार एयरफोर्स ऑफिसर का रोल प्ले कर सकते हैं। इसके पहले अक्षय फिल्म रुस्तम में भी नेवी ऑफिसर का किरदार निभा चुके हैं।

कई फिल्में हैं लिस्ट में

अक्षय कुमार की आखिरी फिल्म सम्राट पृथ्वीराज थी, जिसे 200 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था। फिल्म की कहानी दर्शकों का खास पसंद नहीं आई और इसने 17 दिनों में सिर्फ 67.52 करोड़ रुपये की कमाई की है। अब इसके बाद एक्टर आनंद एल राय की फिल्म रक्षा बंधन में भाई-बहनों की कहानी में लीड रोल प्ले करते दिखेंगे। इतना ही नहीं अक्षय के पास रक्षा बंधन, राम सेतु, मिशन सिंड्रेला, ओएमजी 2- ओह माय गॉड 2, सेल्फी जैसी कई फिल्में मौजूद हैं।

नागा चैतन्य के अफेयर की खबरें फैलाने के आरोप पर सामंथा ने दिया जवाब

साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य सामंथा रुथ प्रभु से डिवोर्स के बाद एक बार फिर बैचलर बन गए हैं। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि चैतन्य अब एक बार फिर प्यार में पड़ गए हैं। हैदराबाद में उन्हें एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला के साथ देखा गया है। इसके बाद नागा चैतन्य के फैंस ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की खबरें सामंथा फैला रही हैं। वह नागा की छवि खराब करना चाहती हैं। इसको लेकर अब सामंथा का बयान सामने आया है।

हम दोनों आगे बढ़ गए हैं आप भी बढ़ें सभी आरोपों पर बयान देते हुए सामंथा ने ट्वीट करते हुए लिखा- लड़की पर अफवाह - सच ही होगी! लड़के पर अफवाह - लड़की ने प्लांट किया होगा!! ग्रो अप दोस्तो...हम दोनों आगे बढ़ चुके हैं...आप भी आगे बढ़ें...अपने परिवार और काम पर ध्यान दें...।

क्या है मामला

नागा चैतन्य ने हाल ही में हैदराबाद में जुबली हिल्स पर एक नया घर खरीदा है। हालांकि अभी यहां पर काम चल रहा है। चैतन्य और शोभिता को इसी नए घर में एक साथ देखा गया है। चैतन्य ने उन्हें अपने घर का पूरा टूर भी करवाया। कुछ घंटे साथ बिताने के बाद दोनों एक कार में बैठकर घर से निकले। इसके अलावा चैतन्य को कई बार उसी होटल में देखा गया था, जहां शोभिता अपनी फिल्म मेजर के प्रमोशन के लिए रुकी हुई थीं। वहीं शोभिता ने अपने बर्थडे भी हैदराबाद में ही सेलिब्रेट किया था। नागा और शोभिता को एक साथ देखने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं।

संस्थानों के लिए जरूरी आउटडोर स्केचिंग

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

अवलोकन कौशल विकसित करने के लिए एक आवश्यक स्केचिंग। स्केचिंग का अभ्यास। तो, नीचे सूचीबध्द कुछ लाभ बाहर में स्केचिंग और जर्नलिंग से प्राप्त हुए हैं।

नेचर स्केचिंग के कई फायदे हैं:

• हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है, शांत चिंतन, ध्यान, और अपने आस-पास की जागरूकता के लिए समय देता है, और निरंतर एकाग्रता के लिए हमारी क्षमता में सुधार करता है।

• हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ देता है, हमें बाहर घूमने के लिए समय बिताने का एक बड़ा बहाना देता है, चाहे वह स्थानीय शहर के पार्क में टहलना हो या पसंदीदा जंगल की पगडंडी पर पैदल यात्रा करना हो।

• हमारे प्रौद्योगिकी से भरे, अक्सर तनावपूर्ण जीवन से एक बहुत जरूरी ब्रेक प्रदान करता है।

• सभी पांच इंद्रियों के उपयोग को संतुलित करते हुए, किसी के अवलोकन कौशल को गहरा करता है।• आपकी स्केचबुक में आपके अनुभवों का एक मूल्यवान रिकॉर्ड प्रदान करता है; तस्वीरों से भरे स्मार्टफोन की तुलना में अधिक व्यक्तिगत और पोषित।

• उपलब्धि के गर्व में परिणाम क्योंकि कोई सामग्री का उपभोग करने के बजाय निर्माण कर रहा है।

• हाथ-आंख के समन्वय और ठीक मोटर कौशल को मजबूत करता है जो बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं।

• मस्तिष्क के हमारे 'बाएं' और 'दाएं' पक्षों को संतुलित करते हुए, मस्तिष्क के अधिक भागों का उपयोग करता है।

• एक सुखद साझा गतिविधि हो सकती है, जिसका आनंद सभी उम्र और क्षमताओं द्वारा लिया जा सकता है जो परिवार और दोस्ती के बंधन को मजबूत और समृध्द करने का काम करते हैं।

• आप जिस विषय का अवलोकन करते हैं, उसके बारे में किसी को सिखाता है, चाहे पेपर पर परिणाम कुछ भी हों।

• आपके जीवन में बच्चों या छात्रों के साथ स्केच करने का एक बड़ा कारण प्रदान करता है, विशेष रूप से वे जो जीव विज्ञान, भूविज्ञान, या मौसम विज्ञान जैसे बाहरी विषयों का अध्ययन कर रहे हैं।

शिक्षाविद इसे नियमित अभ्यास के हिस्से के रूप में शामिल करने के विचार को शामिल कर सकते हैं और इस प्रकार छात्रों को बाहरी स्केचिंग का लाभ पहुंचा सकते हैं। स्केचिंग के चिकित्सीय लाभ दूरगामी हैं और उपचार के लिए पाए जाते हैं।

निमार्ता निर्देशक डॉ कृष्णा चौहान की हिंदी फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' के मुहूर्त पर अनिल नागरथ, अली खान, दिलीप सेन, एहसान कुरैशी की उपस्थिति

मोटिवेशनल स्पीकर डॉ परिन सोमानी का बर्थडे भी मनाया गया, अल्बम जिक्र तेरा हुआ रिलीज

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक डॉ कृष्णा चौहान की आगामी हिंदी फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' का मुम्बई के व्यंजन हॉल में भव्य मुहूर्त हुआ। इस अवसर पर अनिल नागरथ, डॉ परिन सोमानी, अली खान, दिलीप सेन, एहसान कुरैशी, सुधाकर शर्मा, सुंदरी ठाकुर, रूबी अहमद, राजकुमार कनौजिया सहित कई मेहमान मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ परिन सोमानी का बर्थडे भी मनाया गया और हिंदी अल्बम ज़िक्र तेरा रिलीज हुआ। डॉ कृष्णा चौहान की नेक्स्ट हिंदी फ़िल्म आत्मा डॉट कॉम का मुहूर्त आज 17 जून 2022 को व्यंजन बैंक्वेट हॉल, ओशिवारा अंधेरी वेस्ट मुम्बई में हुआ, इस फ़िल्म के संगीतकार दिलीप सेन हैं। साथ ही इसी अवसर पर सान म्युज़िक से डॉ कृष्णा चौहान का हिंदी अल्बम "ज़िक्र तेरा" भी रिलीज़ हुआ। कृष्णा चौहान प्रोडक्शंस प्रस्तुत ज़िक्र तेरा के निर्माता व निर्देशक डॉ कृष्णा चौहान हैं। कृष्णा चौहान प्रोडक्शंस प्रस्तुत ज़िक्र तेरा के संगीतकार अमन श्लोक और गीतकार इमरान जेड सलमानी हैं। इसके डीओपी पप्पू के शेट्टी, कोरियोग्राफर संतोष सर्वदर्शी व केदार सुब्बा हैं। इस रोमांटिक म्युज़िक वीडियो के डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान का कहना है कि ज़िक्र तेरा एक सॉफ्ट रोमांटिक ट्रैक है, जिसे बड़ी ख़ूबसुरती से फ़िल्माया गया है। वहीं डॉ कृष्णा चौहान प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित की जा रही फिल्म आत्मा डॉट कॉम के संगीतकार लिजेंड्री संगीतकार दिलीप सेन हैं। इस फ़िल्म के गाने सुधाकर शर्मा, इमरान जेड सलमानी और गाज़ी मोईन ने लिखे हैं। फ़िल्म की पटकथा और संवाद गाज़ी मोइन व पी के गुप्ता द्वारा लिखे गए हैं। फ़िल्म का कॉन्सेप्ट आर राजपाल का है। फ़िल्म के कलाकारों का चयन जारी है। कृष्णा चौहान इस

सस्पेन्स थ्रिलर फिल्म को उत्तर भारत की रमणीय लोकेशन पर शूट करेंगे।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा निर्देशित इस फिल्म के डीओपी पप्पू के शेट्टी हैं। केसीएफ के अंतर्गत बनने वाली इस हॉरर थ्रिलर फिल्म की कहानी काफी डिफ्रेंट है जो दर्शकों को पसन्द आएगी।फ़िल्म आत्मा डॉट कॉम के मुहूर्त के अवसर पर आए तमाम गेस्ट्स अनिल नागरथ, डॉ परिन सोमानी, अली खान, दिलीप सेन, एहसान कुरैशी, सुधाकर शर्मा, सुंदरी ठाकुर, रूबी अहमद ने डॉ कृष्णा चौहान को इस फ़िल्म के लिए शुभकामनाएं दीं और डॉ परिन सोमानी को जन्मदिन की बधाई दी।आपको बता दें कि कृष्णा चौहान को फ़िल्म इंडस्ट्री में दो दशकों से अधिक समय का अनुभव प्राप्त है। वह दर्शकों की नब्ज को समझते हैं इसलिए वह एक ऐसा सिनेमा लेकर आने वाले हैं जिसमें बेहतर स्टोरीलाइन, प्रभावी संगीत, उम्दा बैकग्राउण्ड स्कोर होगा। आत्मा डॉट कॉम टाइटल के संदर्भ में डॉ कृष्णा चौहान का कहना है कि यह फ़िल्म की पटकथा के अनुसार रखा गया है। इसमे आज की डिजिटल भाषा और नई तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा जो युवाओं को कनेक्ट करेगी।उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान अपने फाउंडेशन कृष्णा चौहान फाउंडेशन के अंतर्गत कई अवार्ड्स शो का आयोजन पिछले कई वर्षों से करते आ रहे हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड, बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड, महात्मा गांधी रत्न अवार्ड, नारी शक्ति सम्मान का आयोजन भी किया जा रहा है। डॉ कृष्णा चौहान ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज इंडिया का आयोजन भी करते आ रहे हैं। इसके अलावा केसीएफ के द्वारा समाज सेवा, भोजन वितरण और भगवद गीता का वितरण भी किया जाता है। डॉ कृष्णा चौहान ने कोरोना महामारी के बीच में कई जरूरतमंद लोगों को खाद्य वस्तुएं मुहैया कराई थी।

मराठी पत्रकार संघ में शॉर्ट फिल्म ऑनलाइन पढ़ाई का ट्रेलर पोस्टर रिलीज

मुंबई-मराठी पत्रकार संघ में गत दिनों जीएचएम फिल्म्स द्वारा निर्मित सामाजिक सन्देश फिल्म ऑनलाइन पढ़ाई का पोस्टर और ट्रेलर रिलीज किया गया।.महाराष्ट्र के प्रसिध्द आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली के हाथों पोस्टर लॉन्च हुआ।

उस अवसर पर समाजवादी पार्टी के मुंबई महासचिव मेराज चौधरी.,मुंबई प्रदेश सचिव अब्दुल रहीम मोटरवाला व शिवसेना नेता अखिलेश तिवारी, उद्योगपति रमेशचंद्र सोंधी, अशोक यादव,वरिष्ठ पत्रकार व प्रोड्यूसर मनोजकुमार यादव, वरिष्ठ पत्रकार अशोक तिवारी,भाजपा कालीना विधानसभा युवामोर्चा के अध्यक्ष संदीप गुप्ता, पत्रकार सतीश गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार संतोष तिवारी व पूजा तिवारी कमलेश यादव, राजकुमार विश्वकर्मा ,नामदेव कांबले समेत अनेक पत्रकार तथा समाज सेवकों ने सामाजिक संदेश फ़िल्म ऑनलाइन पढ़ाई पोस्टर और ट्रेलर लॉन्च पर प्रोडक्शन की टीम को शुभकामनाएं दी। बता दें की जीएचएम फ़िल्म के प्रोड्यूसर मुकेश पांचोली पत्रकारिता से जुड़े हुये और उनके सहयोगी पत्रकार हरेश गुजेटी तथा बिन्नी दलवी से विचार विमर्श करके इंटरटेनमेंट के जरिये जागरूकता लाने के लिये एक शॉर्ट फिल्म का निर्माण किया ।फ़िल्म बनाने के लिये कड़ी जुड़ती गयी डीओपी डायरेक्टर शिवाजी सारगे के सहयोग से फ़िल्म निर्माण हो गयी और जिसमें क्राइम पेट्रोल जैसे चर्चित धारावाहिक में एक्टिंग करने वाले अज़ीम शेख और साक्षी पवार जो कि बॉलीवुड में नया अनुभव था लेकिन समाजहित के लिये एक्टिंग करने के लिये तैयार हो गयी जबकि प्रोडक्शन मैनेजर की कमान आनंदराय मोघा ने संभाली अब फ़िल्म की कहानी एक छोटी बच्ची पर आधारित थी लेकिन कशिश गौर ने उक्त एक्टिंग करके समाज को ऑनलाइन पढ़ाई से होने वाले दुष्प्रभाव को एक्टिंग के जरिये बताया है। जिसका इंतजार अब खत्म हुआ पोस्टर और ट्रेलर में सस्पेंस है यह तो पूरी फिल्म देखने के बाद पता चलेगा।

मनपा आयुक्त का कई विभागों मे औचक निरीक्षण

संवाददाता । भाईंदर , 23 जून को मीरा भायंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने पार्क विभाग,वार्ड कमेटी नंबर 4, वार्ड कमेटी नंबर 6 कार्यालय कनकिया स्थित फायर स्टेशन, आपदा प्रबंधन कक्ष का औचक दौरा किया और प्रगतिशील कार्यो का निरीक्षण किया.आयुक्त ने उद्यान विभाग, वार्ड समिति संख्या 4, वार्ड समिति संख्या 6 कार्यालय, कांकिया स्थित अग्निशमन केंद्र, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ में उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण कर सेवा से अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के आदेश दिये.आयुक्त ने स्पष्ट किया कि कार्यालय समय में देरी से आने वाले और अनुपस्थित कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी साथ ही उनके द्वारा बताए गए स्थान पर स्थल निरीक्षण के लिए उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया जाए कि वे उस स्थान से लाइव लोकेशन भिजवाएं ताकि किसी भी ईमानदार ड्यूटी कर्मचारी की अनुपस्थिति उसके साथ अन्याय न हो. आयुक्त ने आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की भी जानकारी ली है। आयुक्त ने 24 × 7 आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को खुला रखने और समय-समय पर कॉल करने वाले नागरिकों को अपेक्षित उत्तर देकर उनकी सहायता करने और यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इस संबंध में नागरिकों से कोई शिकायत प्राप्त न हो।

पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति कीबैठक संपन्न

राजभाषा हिंदी पर जोर देने पर महाप्रबंधक का आव्हान

मुंबई तरंग,गणेश पाण्डेय

मुंबई, पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की राजभाषा बैठक 24 जून को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रकाश बुटानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस अवसर पर पश्चिम रेलवे की ई-पत्रिका 'ई-राजहंस' के 47वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों द्वारा किया गया। राजभाषा बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने समिति के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुखों, मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक, सभी मुख्य कारखाना प्रबंधक और अन्य अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के कार्यालयों में राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है। इस वार्षिक कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों एवं राज्यों के लिए प्रत्येक मद में राजभाषा को लागू करने के लिए भिन्न-भिन्न लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस वार्षिक कार्यक्रम में राजभाषा को लागू करने के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं उन्हें एक व्यापक कार्य योजना बनाकर प्राप्त किया जाए।

इस अवसर पर वर्ष-2021 के दौरान राजभाषा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 15 कर्मियों को प्रशस्ति-पत्र और नकद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। पश्चिम रेलवे में जनवरी से मार्च-2022 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़े समिति के सदस्य सचिव डॉ. सुशील कुमार शर्मा द्वारा प्रस्तुत किए गए। राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक प्रकाश बुटानी ने समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में अनेक भाषाएं प्रचलित हैं परन्तु हिंदी का एक विशेष स्थान है क्योंकि आम जनता इस भाषा का अत्यधिक प्रयोग करती है। हिंदी ने भारत की स्वतंत्रता में भी अमूल्य योगदान दिया था और आज भी राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने में इसकी भूमिका प्रासंगिक है। इसी प्रकार के गुणों के कारण ही भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। अतः सरकारी सेवा से जुड़े हुए प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का कर्तव्य है कि वह सरकारी कामकाज में राजभाषा का प्रयोग करे।पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस राजभाषा बैठक में पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक नरेश लालवानी,प्रमुख वित्त सलाहकार उमा रानाडे, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर हरीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. छत्र सिंह आनंद, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त पी. सी. सिन्हा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक चितरंजन स्वैन, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर आदि अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित थे और सभी छह मंडलों और छह कारखानों के अधिकारीगण वर्चुअल माध्यम से जुड़े हुए थे। अंत में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री सुरेशचन्द्र के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक समाप्त हुई।

डेक्कन क्वीन का नया स्वरूप यात्रियों को करता है आकर्षित

डेक्कन क्वीन एलएचबी कोचों के साथ एक नए अवतार में

गणेश पाण्डेय । मुंबई

डेक्कन क्वीन, इस क्षेत्र के 2 महत्वपूर्ण शहरों की सेवा के लिए आरम्भ की गई पहली डीलक्स ट्रेन और जिसे उपयुक्त रूप से पुणे के नाम पर रखा गया था, यह ट्रेन गत 22 जुन से अपने नए अवतार के साथ रवाना हुई। एलएचबी कोचों के साथ डेक्कन क्वीन की यात्रा बहुप्रतीक्षित थी,गत 22 जुन से अपने प्रसन्न और आनंदमय यात्रियों और रेलफेन्स की करतल ध्वनि के साथ रवाना हुई। डेक्कन क्वीन के "सही समय पर प्रस्थान " और "आगमन" के लगातार रिकॉर्ड से दोनों शहरों की जनता खुश है। अपने समृध्द इतिहास के पिछले 92 वर्षों में, ट्रेन दो शहरों के बीच परिवहन के एक मात्र माध्यम से अत्यधिक निष्ठावान (लॉयल) यात्रियों की एक मजबूत बाउंडिंग से विकसित हुई है।

सूरत शहर के जांबाज़ निष्ठावान अधिकारी एसीपी एम के राणा सरजी की शुभेच्छा मुलाकात करते हुए मुंबई तरंग न्यूज़ के पत्रकार श्रीमान विजय मकवाना और एकता चैरिटेबल ट्रस्ट के फाउंडर श्रीमान मुकेश चावडा के अलावा गुर्जर क्षत्रीय कडीया समाज के आगेवान मौजूद थे

अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाएगी केंद्र सरकार, विदेश मंत्री बोले- जल्द शुरू करेंगे ई-पासपोर्ट

पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय यात्रा को और आसान बनाने जा रही है। जयशंकर ने बताया कि पहचान की चोरी और डाटा सुरक्षा के खिलाफ सुरक्षा को सक्षम करने के लिए भारत जल्द ही ई-पासपोर्ट शुरु करने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय पासपोर्ट संगठन के साथ विदेश मंत्रालय इस मौके को चिह्नित कर रहा है और भारत के नागरिकों को समय पर विश्वसनीय, सुलभ, पारदर्शी और कुशल तरीके

पासपोर्ट और पासपोर्ट से संबंधित सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहरा रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पासपोर्ट सेवा दिवस 2022 के अवसर पर भारत और विदेशों में हमारे सभी पासपोर्ट जारी करने वाले प्राधिकरणों के साथ जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। जयशंकर ने कहा कि जब हम इस साल 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस मना रहे हैं, हम नागरिक अनुभव के अगले स्तर को प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखेंगे।

कर्नाटक हाई कोर्ट का अहम फैसला, सार्वजनिक स्थान पर दुर्व्यवहार के मामले में ही लागू होगा एससी-एसटी एक्ट

कर्नाटक हाई कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध तभी लागू होगा जब ऐसा दुर्व्यवहार सार्वजनिक स्थान पर हुआ हो। एक इमारत के तहखाने में कथित रूप से जातिवादी गालियों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामले को खारिज करते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट ने हाल ही में कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध लागू होने के लिए ऐसे दुर्व्यवहार को सार्वजनिक स्थान पर होना चाहिए। 2020 में हुई कथित घटना में आरोपी रितेश पियास ने शिकायतकर्ता मोहन को एक इमारत के तहखाने में जातिवादी गाली दी जहां वह दूसरों कर्मचारियों के साथ काम कर रहा था।

सार्वजनिक स्थान पर कहे गए अपशब्दों के आधार पर ही लागू होगा कानून

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने 10 जून को अपने फैसले में कहा कि बयानों को पढ़ने से दो तथ्य सामने आते हैं, पहला, इमारत का तहखाना सार्वजनिक स्थान नहीं था और

दूसरा, केवल नियोक्ता जयकुमार नायर के कर्मचारी और शिकायतकर्ताओं के मित्र वहां उपस्थित थे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।